राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या, प्रयागराज, मिर्जापुर, गोरखपुर, बरेली, बुंदेलखंड, उत्तराखंड, देहरादून

सीतापुर, रविवार, 10 मई 2026

वर्ष 14, अंक 31, पृष्ठ 04, मूल्य: 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, झारखण्ड, बिहार, मध्य प्रदेश, असम, तेलंगाना आदि जनपदों में प्रसारित

डिप्टी सीएम के निर्देश पर लापरवाह डॉक्टरों पर गिरी गाज............03

ग्रेटर नोएडा में डबल मर्डर से सनसनी! हॉस्टल में मिले 2 शव...........04

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा गिरफ्तार, ED के एक्शन पर CM भगवंत मान और केजरीवाल ने उठाए सवाल

● प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया है. इस कार्रवाई पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और इसके राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सवाल उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है।

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया है. शनिवार सुबह से अरोड़ा के चंडीगढ़ स्थित घर पर ईडी की रेड जारी है. इससे पहले उनके लुधियाना के ठिकानों पर दबिश हुई थी. ये कार्रवाई करीब एक महीने पहले ही की गई थी. वहीं संजीव अरोड़ा मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और AAP के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है. सूत्रों के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय ने मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कुछ कंपनियों में कथित वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया है. ईडी का दावा है कि संजीव अरोड़ा से जुड़ी कुछ कंपनियों में कथित वित्तीय अनियमितताओं का पता चला है. इनमें 157.12 करोड़ रुपये की फर्जी बिक्री और शेल कंपनियों के जरिए किए गए फर्जी निर्यात शामिल हैं. एजेंसी को शक है कि फेमा नियमों का उल्लंघन करते हुए विदेशी संस्थाओं के जरिए पैसों की 'राउंड-ट्रिपिंग' की गई है. इसी के चलते ये कार्रवाई की गई।

BJP ने सरकारी संस्थाओं का किया राजनीतिकरण: भगवंत मान

इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संगरूर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि देशभर में भाजपा का यही तरीका है. अब ये ED, CBI, आयकर और चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा ने इन संस्थाओं का राजनीतिकरण कर दिया है. वे लंबे समय से इनका इसी तरह इस्तेमाल करते आ रहे हैं।

महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी इनका इसी तरह इस्तेमाल किया गया है. सीएम मान ने कहा कि पंजाब में चुनाव आ रहे हैं. ED की छापेमारी का मतलब है कि अगर आप भाजपा में शामिल हो जाते हैं, तो सब कुछ माफ हो जाता है. कुछ दिन पहले श्रष्ठ ने अशोक मित्तल के घर पर छापा मारा था. जब वह भाजपा में शामिल हुए, तो छापेमारी बंद हो गई और भाजपा ने उन्हें वाई सुरक्षा प्रदान की।

पंजाबी भाजपा या ED से नहीं डरते

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आरोप लगाया है कि अब संजीव अरोड़ा के घर पर छापा मारा गया है. अरोड़ा के घर पर पहले भी छापा मारा गया था, लेकिन कुछ नहीं मिला। अब भी कुछ नहीं मिला. संजीव अरोड़ा को धमकी दी जा रही है कि उनका कारोबार बंद कर दिया जाएगा या उन्हें भाजपा में शामिल हो जाना चाहिए. उन्हें धमकाया जा रहा है. लेकिन पंजाब में ये सब काम नहीं चलेगा. पंजाबी भाजपा या ईडी से नहीं डरते.

संजीव झुके नहीं तो, करवाई गई रेड

वहीं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी संजीव अरोड़ा मामले में बीजेपी पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि जैसे ही बंगाल चुनाव खत्म हुए, पंजाब में ईडी की रेड शुरू हो गई. केजरीवाल का आरोप है कि पिछले कुछ सालों से पंजाबियों को तरह-तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है. इसी तरह संजीव अरोड़ा के यहां ईडी की रेड करवाई गई. जब संजीव झुके नहीं तो उन्हें इस तरह परेशान किया जा रहा है।

रेड के सहारे मित्तल को BJP में किया शामिल

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पंजाब के पानी पर हमला किया, पंजाब यूनिवर्सिटी को लेने की कोशिश की, ग्रामीण विकास का पैसा रोक लिया और अब ED की ताबड़तोड़ रेड शुरू कर दी. अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि अशोक मित्तल के यहां रेड हुई, अगले दिन उनको बीजेपी में शामिल करवा लिया।

इसका मतलब ED की रेड का मकसद चोरी का पैसा ढूंढना नहीं था. केवल अशोक मित्तल को तोड़कर उन्हें बीजेपी में शामिल करवाना था। कुछ दिन पहले संजीव अरोड़ा के यहां भी रेड हुई. वो बीजेपी में शामिल नहीं हुए तो उनके यहां फिर से रेड करवा दी। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले पंजाब के किसानों को ललकारा गया था और उन्हें किसानों के आगे झुकना पड़ा. आज पूरे पंजाब को ललकारा गया है।

मैं खुद एक वकील हूं बीजेपीके खिलाफ राजनीतिक लड़ाई शुरू, रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर ममता का ऐलान

● रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने बड़ा ऐलान किया है. ममता ने कहा कि उनका मानना है कि जो लोग निडर हैं, जो सचमुच अपनी मातृभूमि से प्यार करते हैं, वे अपने आप ही एकजुट हो जाएंगे।

रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती पर टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ विपक्षी पार्टियों से एकजुट होने की अपील की है. ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि बंगाल में आतंक का राज शुरू हो गया है. इसके खिलाफ उनकी नैतिक और राजनीतिक लड़ाई शुरू हो चुकी है. ममता ने कहा कि 'मैं एनजीओ और अन्य सामाजिक संगठनों से भी इस आंदोलन में शामिल होने की अपील करती हूं।' ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उन्होंने कालीघाट मोड़, मुक्तदल और फायर ब्रिगेड स्टेशन के सामने रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती मनाने के लिए अनुमति मांगी थी. लेकिन तीनों ही जगहों के लिए उन्हें अनुमति नहीं दी गई. उनका सवाल है कि आखिर उन्हें इस बार अनुमति क्यों नहीं दी गई. इसके बाद उन्होंने पार्टी ऑफिस के बाहर जयंती मनाने का फैसला लिया. ममता बनर्जी का कहना है कि वह पूरी तरह से तानाशाही है और टीएमसी को चुप कराने की कोशिश है. ममता ने आगे कहा कि उनका मानना है कि जो लोग निडर हैं, जो सचमुच अपनी मातृभूमि से प्यार करते हैं, वे अपने आप ही एकजुट हो जाएंगे. ममता ने कहा कि 'मैं खुद एक वकील हूं और खुलकर बीजेपी के खिलाफ लड़ाई लड़ूंगी।' टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि बंगाल में उनके कार्यकर्ताओं पर जुल्म ढाए जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि दलित समुदाय की एक 92 वर्षीय महिला उनके साथ रहती है. लेकिन अब उन्हें घर छोड़कर कहीं और शरण लेनी पड़ी. उस परिवार की एक नई-नवेली दुल्हन को भी बीजेपी ने धमकाया है. उनसे भी घर खाली करा दिया गया है. उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के कई अन्य कार्यकर्ताओं और नेताओं के घरों के बाहर गुंडागर्दी हो रही है और पुलिस पूरी तरह से चुप है।

सुरक्षा हटाने पर बीजेपी पर साधा निशाना

ममता बनर्जी ने कहा कि जब 2011 में बंगाल में वो सत्ता में आई तो उन्होंने कोई हिंसा नहीं होने दी.किसी को भी परेशान या प्रताड़ित नहीं किया गया. मैंने तत्कालीन निवर्तमान मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की सुरक्षा और हिफाजत सुनिश्चित करने के लिए अपनी खुद की बुलेटप्रूफ कार उनके पास भेजी थी. इतना ही नहीं उन्हें'+ सुरक्षा भी दी गई थी. लेकिन बीजेपी ने सत्ता में आते ही उनकी सुरक्षा को तुरंत हटा दिया. इसके अलावा उनकी बहुत सी सेवाओं को बंद कर दिया गया है।

विपक्ष के सभी नेताओं से हुई बात, मिलकर लड़ेंगे

ममता ने आगे कहा कि विपक्ष के सभी राष्ट्रीय नेताओं ने उनसे संपर्क किया है. उनकी सोनिया, राहुल गांधी, खड़गे, उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव से बात हुई है.अखिलेश यादव खुद उनसे मिलने आए थे. उनकी हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल से भी बात हुई है. कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने भी उन्हें फोन किया है. उनके साथ-साथ प्रशांत भूषण और मेनका गुरुस्वामी भी इस लड़ाई में उनके साथ हैं. 'मैं खुद एक वकील हूं. हमारे पास कल्याण बनर्जी जैसे कई अन्य नेता हैं जो यह लड़ाई लड़ेंगे. हमें पता है कि लड़ाई कैसे लड़ी जाती है।'

संक्षिप्त ख़बरें

कोलकाताः विश्वभारती यूनिवर्सिटी में झालमुड़ी खाते हुए 'जय श्रीराम' का लगाया नारा, शोध छात्र से मंगवाई गई माफी

बंगाल में सत्ता परिवर्तन के माहौल के बीच विश्वभारती विश्वविद्यालय के एक शोध छात्र द्वारा 'जय श्रीराम' का नारा लगाते हुए इंटरनेट मीडिया पर रील पोस्ट करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र को लिखित माफी और मुचलका देने का निर्देश दिया। छात्र ने निर्देश मानते हुए माफी मांग ली है और कथित विवादित रील भी इंटरनेट मीडिया से हटा दी गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में विश्वभारती किसी भी राजनीतिक बयानबाजी का समर्थन नहीं करता।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के अनुसार, अर्थशास्त्र विभाग के एक शोध छात्र ने फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में वह विश्वविद्यालय परिसर में हाथ में झालमुड़ी लेकर 'जय श्रीराम' के नारे लगाते दिखाई दे रहा था। वीडियो में छात्र यह भी कहते सुनाई दे रहा था कि यह हमारे बंगाल की प्रसिद्ध झालमुड़ी है। इसी झालमुड़ी को खाकर सरकार बदली है। अब हम भी विश्वभारती में बदलाव का ट्रेंड शुरू कर रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद शुरू हुआ विवाद

वीडियो प्रसारित होने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में विवाद शुरू हो गया। इसके बाद संबंधित छात्र को लिखित रूप से माफी मांगने और मुचलका देने को कहा गया। विभाग को दिए गए मुचलके में छात्र ने अपनी पोस्ट पर खेद जताया और भविष्य में विभाग या विश्वविद्यालय को लेकर कोई विवादित पोस्ट नहीं करने का आश्वासन दिया।

नियम सभी के लिए समान होना चाहिए

हालांकि, इस घटना को लेकर विश्वविद्यालय के भीतर अलग-अलग राय भी सामने आई है। अधिकारियों के एक वर्ग का कहना है कि पहले भी छात्र, शिक्षक और अधिकारी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। ऐसे में नियम सभी के लिए समान होना चाहिए। इस पूरे मामले पर विश्वभारती के कार्यवाहक जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि यह पूरी तरह विभागीय स्तर का आंतरिक मामला है और इसका समाधान हो चुका है।

ग्रेटर नोएडा में पिता बना हैवान! अपनों को फंसाने के लिए 13 साल के बेटे की गला दबाकर हत्या

● ग्रेटर नोएडा में संपत्ति विवाद के चलते एक पिता ने अपने ही 13 वर्षीय बेटे की हत्या कर शव तालाब में फेंक दिया. पकड़े जाने के बाद आरोपी ने सड़क पर ब्लेड से गला काटकर आत्महत्या की कोशिश भी की. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में एक पिता ने संपत्ति विवाद में अपने ही परिवार को फंसाने की साजिश रचते हुए इकलौते बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी. बाद में अपने परिवार के अन्य सदस्यों को फंसाने और इस घटना को हत्या का रूप देने की साजिश के तहत उसके शव को तालाब में फेंक दिया. पिता ने ऐसा इसलिए किया ताकि लोगों को यह लगे कि संपत्ति विवाद में दूसरे परिवार के सदस्यों ने उसकी हत्या कर दी है. इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. गुरुवार को कासना थाने में 13 वर्षीय लड़के के लापता होने की सूचना दी गई. सूचना मिलते ही पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज कर बच्चे की तलाश के लिए दो टीमों का गठन किया. पुलिस टीम ने इलाके के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू किए और आसपास के लोगों व बच्चों से पूछताछ की. जांच के दौरान सामने आया कि आखिरी बार लड़का अपने पिता के साथ कार में जाता हुआ दिखाई दिया. बस यहीं से पुलिस की जांच की सुई पिता की ओर घूम गई। जब पुलिस ने पिता को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की, तो वह लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा. पूछताछ के दौरान पिता बार-बार अपने बयान बदलता रहा. पुलिस को उसकी बातों पर शक हुआ और टीम ने उससे लगातार पूछताछ जारी रखी. वह हर बार अलग-अलग कहानी बनाकर जांच की दिशा भटकाने की कोशिश करता रहा, लेकिन पुलिस की सतर्कता और तकनीकी जांच के चलते उसकी साजिश ज्यादा देर तक नहीं चल सकी।

जांच में खौफनाक खुलासा

इस पूरे मामले में कासना थाना पुलिस को सूचना मिली कि सिरसा गांव स्थित 6 प्रतिशत कॉलोनी के पास एक तालाब में एक बच्चे का शव पड़ा हुआ है. सूचना मिलते ही पुलिस और उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे. जब शव की पहचान की गई, तो वह वही 13 वर्षीय बच्चा निकला जिसकी सुबह गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। शव मिलने के बाद परिवार और गांव में चीख-पुकार मच गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू की. पुलिस जांच में धीरे-धीरे जो सच्चाई सामने आई, उसने सभी को हैरान कर दिया. जांच में पता चला कि बच्चे के पिता ने ही उसकी हत्या की थी. बताया जा रहा है कि आरोपी का अपने परिवार के अन्य सदस्यों से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था. इसी विवाद में अपने परिजनों को फंसाने की नीयत से उसने अपने बेटे की हत्या कर दी, ताकि मामला परिवार के अन्य लोगों पर डाला जा सके. पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पहले बच्चे की गला दबाकर हत्या की और बाद में शव को तालाब में फेंक दिया, ताकि मामला हादसा या अपहरण जैसा लगे।

आरोपी ने की आत्महत्या की कोशिश

पुलिस के मुताबिक, मामले में गिरफ्तारी के दौरान आरोपी पिता ने आत्महत्या करने की भी कोशिश की. आरोपी ने बीच सड़क पर धारदार ब्लेड से अपना गला काटने का प्रयास किया. इस दौरान का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें आरोपी खुद को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाई दे रहा है. हालांकि, मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने किसी तरह उसे रोका और तुरंत अस्पताल पहुंचाया. इसके बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया.

इकलौते बेटे की हत्या से गांव में मातम

मृतक बच्चा अपने माता-पिता का इकलौता बेटा बताया जा रहा है. गांव के लोगों का कहना है कि किसी ने कभी सोचा नहीं था कि एक पिता अपने बेटे के साथ इतनी बेरहमी कर सकता है. घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है. लोग आरोपी पिता को कोसते नजर आए। ग्रामीणों का कहना है कि संपत्ति के लालच ने एक पिता को इतना अंधा बना दिया कि उसने अपने ही घर का चिराग बुझा दिया. इस पूरे मामले में ग्रेटर नोएडा के डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन ने बताया कि आरोपी पिता ने बड़ी सोची-समझी साजिश के तहत इस पूरी वारदात को अंजाम दिया. वह लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा. फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

यूपी में बढ़ रहे हैं बच्चों के विरुद्ध अपराध

●97 प्रतिशत मामलों में पीड़ितों के करीबी निकले आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बच्चों के विरुद्ध अपराधों के मामलों में बढ़ोत्तरी हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में राज्य में बच्चों के विरुद्ध अपराध के 22,222 मामले दर्ज किए गए, जबकि वर्ष 2023 में 18,852 मामले दर्ज किए गए थे। यानी एक वर्ष में 3370 मामलों की बढ़ोत्तरी हुई है। बच्चों के विरुद्ध अपराध के मामलों में महाराष्ट्र के बाद उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। चौंकाने वाली बात यह है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दर्ज किए गए 3671 मामलों में 97 प्रतिशत आरोपित पारिवारिक सदस्य या करीबी निकले हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों का खतरा बाहरी लोगों की तुलना में करीबियों से अधिक है। एनसीआरबी ने पॉक्सो के तहत दर्ज 3,671 मामलों को विश्लेषण किया है। इनमें से 3,581 मामलों में आरोपी पीड़ित बच्चों के परिचित निकले हैं। केवल 90 मामलों में आरोपी अज्ञात पाए गए। हालांकि, बड़ी बाल आबादी के कारण उत्तर प्रदेश में बच्चों के खिलाफ अपराध दर 26 प्रति लाख बाल आबादी रही, जो राष्ट्रीय औसत 42.3 से कम है। रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में राज्य की चार्जशीटिंग दर 70.5 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 61.4 प्रतिशत से अधिक है। इस संदर्भ में डीजीपी राजीव कृष्ण का कहना है कि बच्चों के विरुद्ध अपराधों में वृद्धि का बड़ा कारण संबंधित कानून को लेकर बढ़ती जागरूकता है। महिलाओं व बच्चों के विरुद्ध अपराधों को लेकर पुलिस द्वारा विभिन्न स्तर पर अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

लखनऊ में सेफ्टी टैंक की सफाई करने उतरे दो मजदूरों की मौत

● जहरीली गैस के प्रभाव में आने से हुए बेहोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। माल क्षेत्र में शुक्रवार को दिन में बड़ा हादसा होने से अफरा-तफरी मची है। माल थाना क्षेत्र के नबी पनाह गांव में सेप्टी टैंक की सफाई करने उतरे दो मजदूरों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों मजदूर जहरीली गैस के प्रभाव में आने से हुए बेहोश हो गए और थोड़ी देर में दम तोड़ दिया। इस घटना की जानकारी मिलने पर मलिहाबाद के उपजिलाधिकारी अंकित मौर्य व तहसीलदार केशव सिंह भी माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचे। सेफ्टी टैंक की सफाई करने उतरे मजदूर रिंकू और राजेश की दम घुटने से मौत हो गई। दोनों बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सेफ्टी टैंक में उतरे थे। जहां पर दम घुटने से दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान दोनों मजदूरों के परिवार का लोगों के साथ ग्रामीण भी अस्पताल के बाहर एकत्र थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यक्त किया दुख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मजदूरों के निधन का तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने गहरा दुःख व्यक्त किया और हादसे में मृत लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के साथ-साथ घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मृतक के परिवारीजन को जल्द से जल्द उचित मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

यूपी में कर्मचारियों को 2% बढ़ी दर से महंगाई भत्ता देने की मांग, जेएन तिवारी ने सीएम योगी को लिखा पत्र

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जेएन तिवारी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दो प्रतिशत बढ़ी दर से महंगाई भत्ता व महंगाई राहत (डीए/डीआर) दिए जाने का आदेश तत्काल जारी करने का अनुरोध किया है। मुख्यमंत्री को किए गए ईमेल में उन्होंने लिखा है कि यूपी देश का पहला राज्य है जो सबसे पहले अपने कर्मचारियों व पेंशनर्स को महंगाई भत्ता व महंगाई राहत देता रहा है। केंद्र सरकार ने एक जनवरी से बढ़ी दर से महंगाई भत्ता व महंगाई राहत दिए जाने का आदेश जारी कर दिया है। जिससे केंद्रीय कर्मचारी व पेंशनर्स अब 60 प्रतिशत की दर से डीए/डीआर का लाभ पाने लगे हैं।

आतंकी हमले की धमकी के बाद दिल्ली बीजेपी मुख्यालय की बढ़ी सुरक्षा

● दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय की सुरक्षा आतंकी धमकी के बाद बढ़ा दी गई है, जिसमें अतिरिक्त बल और कड़ी निगरानी शामिल है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के केंद्रीय कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था में आतंकी धमकी मिलने के बाद वृद्धि कर दी गई है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील इलाके में अतिरिक्त जवान तैनात कर दिए हैं। कार्यालय के आसपास बैरिकेडिंग बढ़ा दी गई है और सीसीटीवी निगरानी को भी सख्त कर दिया गया है। वहीं, भाजपा नेताओं का कहना है कि एक कारण यह भी है कि बंगाल में शपथग्रहण के बाद यहां सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि विपक्ष यहां पर प्रदर्शन न कर सके।

सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की जा रही

सूत्रों के अनुसार, हाल ही में मिली खुफिया जानकारी में भाजपा कार्यालय को निशाना बनाने की संभावना जताई गई थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत सजग हो गईं। इस दौरान बीजेपी कार्यालय में आने-जाने वाले सभी लोगों की चेकिंग अब और अधिक सख्त कर दी गई है।आसपास के इलाकों में भी गश्त बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि धमकी की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा के सभी पहलुओं की समीक्षा की जा रही है और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बल की तैनाती की जाएगी।

दिल्ली में किन स्थानों पर बढ़ी तैनाती

सूत्रों के अनुसार, दिल्ली में सुरक्षा इनपुट्स के आधार पर आतंकी अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद भाजपा के मुख्यालय और आसपास की सरकारी इमारतों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। एजेंसियों को आशंका है कि डीडीयू मार्ग स्थित कार्यालयों को आत्मघाती हमले, कार बम, गोलीबारी और आईईडी के जरिए निशाना बनाया जा सकता है।

विपक्ष को रोकने के लिए किए गए इंतजाम

वहीं, भाजपा नेताओं का कहना है कि बंगाल में शपथग्रहण को ध्यान में रखकर पुलिस बैरिकेड्स लगाकर पहले की तुलना में अधिक पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं ताकि विपक्ष यहां प्रदर्शन न कर सके।

भारतीय अस्मिता के प्रतीकः वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप

भारतीय इतिहास की गौरवशाली परंपरा में महाराणा प्रताप का नाम एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र के समान है जिसकी आभा शताब्दियों के पश्चात भी तनिक भी फीकी नहीं पड़ी है। उनका व्यक्तित्व साहस, त्याग, अद्वितीय स्वाभिमान और अटूट राष्ट्रभक्ति का एक ऐसा संगम है जो विश्व इतिहास में विरले ही देखने को मिलता है। राजस्थान की वीर प्रसूता भूमि पर अनेक योद्धाओं ने जन्म लिया, किंतु महाराणा प्रताप की विशिष्टता इस बात में निहित है कि उन्होंने उस समय की सबसे बड़ी वैश्विक शक्ति कहे जाने वाले मुगल साम्राज्य के सम्मुख सिर झुकाने के स्थान पर संघर्ष और अभावों से भरे जीवन को प्राथमिकता दी। उनका संपूर्ण जीवन केवल युद्धों का संकलन मात्र नहीं है, अपितु यह मनुष्य की उस अदम्य इच्छाशक्ति का प्रमाण है जो किसी भी भौतिक प्रलोभन या भय के आगे पराजित नहीं होती। मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के इस तेजस्वी राजा ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता का मूल्य किसी भी सिंहासन या विलासिता से कहीं अधिक ऊंचा होता है। महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को राजस्थान के सुप्रसिद्ध कुंभलगढ़ दुर्ग में हुआ था। उनके पिता महाराणा उदयसिंह द्वितीय मेवाड़ के शासक थे और उनकी माता रानी जयवंता बाई एक अत्यंत धार्मिक और स्वाभिमानी महिला थीं। प्रताप के व्यक्तित्व निर्माण में उनकी माता का प्रभाव सर्वोपरि था जिन्होंने बचपन से ही उन्हें रामायण और महाभारत की वीर कथाएं सुनाकर धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए प्रेरित किया। कुंभलगढ़ की पहाड़ियों में प्रताप का बचपन व्यतीत हुआ जहाँ उन्होंने स्थानीय भील जनजाति के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित किए। यही भील आगे चलकर उनकी सेना की रीढ़ बने और उन्हें प्यार से कीका कहकर पुकारते थे। बचपन से ही प्रताप अस्त्र शस्त्र के संचालन, घुड़सवारी और युद्ध कौशल में निपुण होने लगे थे। उनकी कद काठी अत्यंत प्रभावशाली थी और उनके चेहरे पर एक ऐसा तेज था जो उनके भावी नायक होने की पुष्टि करता था। जब प्रताप युवावस्था में पहुँचे तब भारत की राजनीतिक परिस्थितियाँ बड़ी तेजी से बदल रही थीं। मुगल सम्राट अकबर अपनी साम्राज्यवादी नीतियों के माध्यम से पूरे भारत को एक ध्वज के नीचे लाने का प्रयास कर रहा था। राजस्थान के अधिकांश शक्तिशाली राजपूत राजाओं ने मुगलों की अधीनता स्वीकार कर ली थी और उनके साथ वैवाहिक संबंध स्थापित कर लिए थे। किंतु मेवाड़ इस मार्ग में सबसे बड़ी बाधा था। चित्तौड़गढ़ पर 1568 में अकबर का भीषण आक्रमण हुआ जिसमें भारी रक्तपात हुआ और महाराणा उदयसिंह को सुरक्षित स्थानों की खोज में पहाड़ियों की ओर जाना पड़ा। इसी कठिन समय में 1572 में महाराणा उदयसिंह की मृत्यु के बाद प्रताप का राज्याभिषेक हुआ। उस समय मेवाड़ के पास न तो पर्याप्त धन था, न विशाल सेना और न ही चित्तौड़गढ़ जैसा अभेद्य दुर्ग, क्योंकि वह मुगलों के अधिकार में था। इसके बावजूद प्रताप ने हार मानने के स्थान पर मेवाड़ को पुनः स्वतंत्र कराने की प्रतिज्ञा ली। अकबर जानता था कि यदि मेवाड़ उसकी अधीनता स्वीकार कर लेता है तो पूरे भारत पर उसका निर्बाध शासन होगा। इसलिए उसने प्रताप को समझाने के लिए चार बार दूत भेजे। सबसे पहले जलाल खान को भेजा गया, उसके बाद आमेर के राजा मानसिंह, फिर राजा भगवंत दास और अंत में टोडरमल को भेजा गया। इन दूतों ने प्रताप को बड़े बड़े प्रलोभन दिए और युद्ध की विभीषिका से डराया, लेकिन प्रताप का उत्तर स्पष्ट था कि वे किसी भी स्थिति में मुगलों के दास बनकर जीवित रहने के स्थान पर स्वतंत्र रहकर मृत्यु को गले लगाना श्रेष्ठ समझते हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि मेवाड़ की स्वतंत्रता का कोई सौदा नहीं हो सकता। यह निर्णय एक अत्यंत शक्तिशाली साम्राज्य के विरुद्ध सीधा संघर्ष मोल लेने जैसा था, जो किसी आत्मघाती कदम से कम नहीं जान पड़ता था, लेकिन प्रताप के लिए उनका आत्मसम्मान सर्वोपरि था। परिणामस्वरूप 18 जून 1576 को वह ऐतिहासिक युद्ध हुआ जिसे हम हल्दीघाटी के युद्ध के नाम से जानते हैं। अरावली की संकरी पहाड़ियों में स्थित इस स्थान की मिट्टी हल्दी जैसी पीली होने के कारण इसे हल्दीघाटी कहा जाता है। एक ओर मुगल सेना थी जिसका नेतृत्व राजा मानसिंह कर रहे थे और उनके पास आधुनिक अस्त्र शस्त्र, हाथियों का विशाल दल और हजारों प्रशिक्षित सैनिक थे। दूसरी ओर महाराणा प्रताप की सेना थी जिसमें लगभग 20000 सैनिक थे जिनमें राजपूतों के साथ साथ हकीम खान सूरी के नेतृत्व में अफगान सैनिक और राणा पुंजा के नेतृत्व में भील धनुर्धारी सम्मिलित थे। युद्ध इतना भीषण था कि बनास नदी का जल सैनिकों के रक्त से लाल हो गया था। महाराणा प्रताप ने अपनी वीरता का ऐसा प्रदर्शन किया कि मुगल सेना के पैर उखड़ गए। उन्होंने अपने भाले के एक ही प्रहार से बहलोल खान को उसके घोड़े समेत दो टुकड़ों में चीर दिया था। हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप का प्रिय घोड़ा चेतक भी अमर हो गया। चेतक की स्वामीभक्ति का उदाहरण आज भी जन जन की जुबान पर है। युद्ध के दौरान जब महाराणा प्रताप संकट में थे, तब गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद चेतक उन्हें रणक्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाल ले गया। उसने अपने घायल पैरों के साथ एक चौड़े नाले को एक ही छलांग में पार कर लिया, जिसे मुगल सैनिक पार नहीं कर सके। अपने स्वामी की रक्षा करने के पश्चात चेतक ने प्राण त्याग दिए। चेतक की मृत्यु पर महाराणा प्रताप की आंखों में आंसू आ गए थे। इस युद्ध के बाद मुगलों को लगा था कि प्रताप की शक्ति समाप्त हो गई है, लेकिन यह तो उनके संघर्ष का केवल एक नया अध्याय था। हल्दीघाटी का युद्ध निर्णायक नहीं रहा क्योंकि अकबर न तो प्रताप को बंदी बना सका और न ही मेवाड़ को पूरी तरह जीत सका। युद्ध के पश्चात महाराणा प्रताप का जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने अपने परिवार के साथ जंगलों और पहाड़ों में निवास किया। उस समय की कथाएं बताती हैं कि कई बार उनके बच्चों को घास की रोटियां खाकर दिन बिताने पड़े। एक बार जब एक जंगली बिल्ली ने उनके बच्चे के हाथ से घास की रोटी छीन ली और बच्चा रोने लगा, तो प्रताप का हृदय विचलित हुआ, लेकिन उन्होंने तुरंत स्वयं को संभाला और स्वतंत्रता के मार्ग से पीछे नहीं हटे। उन्होंने प्रण लिया था कि जब तक वे चित्तौड़ को मुक्त नहीं करा लेंगे, वे सोने चांदी के बर्तनों में भोजन नहीं करेंगे और कोमल शय्या पर नहीं सोएंगे। उन्होंने अपने महलों का त्याग कर दिया और घास के बिछौनों पर सोने लगे। उनके इस धैर्य और संकल्प ने संपूर्ण मेवाड़ की जनता में देशभक्ति का ज्वार पैदा कर दिया था। कठिन समय में महाराणा प्रताप को उनके विश्वसनीय मंत्री और मित्र भामाशाह का सहयोग मिला। जब प्रताप के पास सेना को संगठित करने के लिए धन का अभाव था, तब भामाशाह ने अपनी जीवन भर की संपूर्ण संपत्ति महाराणा के चरणों में अर्पित कर दी। यह धनराशि इतनी अधिक थी कि इससे 25000 सैनिकों का खर्च 12 वर्षों तक उठाया जा सकता था। इस सहायता ने प्रताप के संघर्ष में नई जान फूंक दी। उन्होंने पुनः एक शक्तिशाली सेना का गठन किया और मुगलों के किलों पर आक्रमण करना प्रारंभ किया। प्रताप ने परंपरागत युद्ध पद्धति के स्थान पर छापामार युद्ध नीति अपनाई जिसे गुरिल्ला युद्ध कहा जाता है। पहाड़ियों के भूगोल से परिचित होने के कारण उनकी सेना अचानक मुगलों पर हमला करती और देखते ही देखते पहाड़ियों में ओझल हो जाती। मुगलों की विशाल सेना इस युद्ध पद्धति के आगे असहाय सिद्ध होने लगी। 1582 में दिवेर का युद्ध हुआ जो महाराणा प्रताप की एक बड़ी सामरिक विजय थी। इस युद्ध में प्रताप ने मुगल चौकियों को ध्वस्त कर दिया और मुगलों के मनोबल को पूरी तरह तोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने धीरे धीरे मेवाड़ के अधिकांश क्षेत्रों को मुक्त करा लिया। उदयपुर, कुंभलगढ़ और गोगुंदा जैसे महत्वपूर्ण स्थान पुनः प्रताप के अधिकार में आ गए। मुगल सम्राट अकबर अपनी तमाम कोशिशों के बावजूद प्रताप को झुका नहीं सका। अंततः अकबर ने भी मेवाड़ की ओर अभियान भेजना बंद कर दिया। महाराणा प्रताप ने अपनी नई राजधानी चावंड में स्थापित की जहाँ उन्होंने कला, साहित्य और कृषि को बढ़ावा दिया। उनके शासनकाल में प्रजा अत्यंत सुखी थी और लोग उन्हें अपना रक्षक मानते थे। महाराणा प्रताप का अंत समय निकट आया जब 19 जनवरी 1597 को एक शिकार के दौरान उन्हें गहरी चोट लगी। 57 वर्ष की आयु में इस महान योद्धा ने अपनी अंतिम सांस ली। मृत्यु शय्या पर भी उन्हें केवल इस बात की चिंता थी कि कहीं उनके उत्तराधिकारी मुगलों के सामने झुक न जाएं। उनके पुत्र अमर सिंह और सामंतों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि वे मेवाड़ की स्वतंत्रता की रक्षा करेंगे, तभी प्रताप की आत्मा को शांति मिली। कहा जाता है कि जब प्रताप की मृत्यु का समाचार अकबर को मिला, तो उसकी आंखों में भी आंसू आ गए थे। अकबर ने स्वयं स्वीकार किया था कि प्रताप जैसा महान और अडिग शत्रु मिलना असंभव है। यह एक विजेता की ओर से अपने प्रतिद्वंद्वी को दी गई सबसे बड़ी श्रद्धांजलि थी। आज भी महाराणा प्रताप का जीवन प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे केवल एक क्षेत्रीय राजा नहीं थे, बल्कि भारतीय अस्मिता और अखंडता के प्रतीक थे। उन्होंने यह संदेश दिया कि यदि आपके पास दृढ़ संकल्प और अदम्य साहस है, तो संसाधनों का अभाव आपकी सफलता में बाधक नहीं बन सकता। उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर आज भी राजस्थान की गलियों में वीरता के गीत गूँजते हैं। साहित्यकारों ने उनकी वीरता पर अनेक काव्य रचे हैं जो आज भी युवाओं के भीतर जोश भर देते हैं।

महेन्द्र तिवारी

महंगी किताबों के बोझ तले दबता मध्यम वर्ग

संपादक/लेखकः राजीव शुक्ला

भारत में शिक्षा को हमेशा सामाजिक परिवर्तन और समान अवसर का सबसे बड़ा माध्यम माना गया है। लेकिन आज निजी स्कूलों में महंगी किताबों और अनावश्यक शैक्षणिक सामग्री की अनिवार्यता ने इस मूल भावना को झकझोर दिया है। NCERT जैसी सस्ती और मानक पुस्तकों के स्थान पर निजी प्रकाशकों की हजारों रुपये की किताबें थोपना अब केवल 'शैक्षणिक विकल्प' नहीं, बल्कि अभिभावकों की जेब पर सुनियोजित आर्थिक हमला बनता जा रहा है। यह विडंबना ही है कि एक ओर सरकार नई शिक्षा नीति (NEP 2020) के माध्यम से शिक्षा को सुलभ और समान बनाने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर कई निजी स्कूल शिक्षा को खुले बाजार के उत्पाद की तरह बेच रहे हैं। किताबों से लेकर यूनिफॉर्म, स्टेशनरी और नोटबुक तक–सब कुछ 'निर्धारित दुकानों' से खरीदने का दबाव बनाया जाता है। इससे साफ संकेत मिलता है कि शिक्षा संस्थानों का एक वर्ग अब सेवा से अधिक 'व्यापार मॉडल' की तरह काम कर रहा है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) द्वारा केंद्र सरकार, CBSE और राज्यों को नोटिस जारी किया जाना इस समस्या की गंभीरता को दर्शाता है। जब एक आयोग को यह कहना पड़े कि निजी स्कूल अभिभावकों पर 'अत्यधिक वित्तीय बोझ' डाल रहे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक मामला नहीं रह जाता, बल्कि सामाजिक न्याय का प्रश्न बन जाता है। राइट टू एजुकेशन (RTE) एक्ट की धारा 29 स्पष्ट रूप से NCERT/SCERT आधारित शिक्षा की बात करती है, ताकि देशभर में एक समान और सस्ती शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। इसके बावजूद निजी स्कूलों द्वारा महंगी किताबें अनिवार्य करना कानून और नैतिकता–दोनों का उल्लंघन है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि कई स्कूल हर वर्ष किताबों की नई एडिशन लागू कर पुरानी पुस्तकों को बेकार बना देते हैं। इससे न केवल अभिभावकों का खर्च बढ़ता है, बल्कि 'री-यूज़' की वह परंपरा भी समाप्त हो रही है, जिसमें बड़े भाई-बहनों की किताबें छोटे बच्चों के काम आ जाती थीं। शिक्षा अब ज्ञान का माध्यम कम और उपभोक्तावाद का हिस्सा अधिक बनती जा रही है। लखनऊ सहित कई शहरों से सामने आ रही शिकायतें बताती हैं कि अभिभावक मजबूरी में स्कूल द्वारा निर्धारित दुकानों से महंगे सेट खरीद रहे हैं। यह स्थिति तब और दुर्भाग्यपूर्ण हो जाती है जब वही NCERT किताबें बाजार में बेहद कम कीमत पर उपलब्ध हैं। स्पष्ट है कि इस व्यवस्था में 'कमीशन संस्कृति' ने गहरी पैठ बना ली है। हालांकि प्रशासन और कुछ संगठनों द्वारा उठाए गए कदम सकारात्मक संकेत हैं। लखनऊ प्रशासन की चेतावनी, PSA के आश्वासन और CBSE के संशोधित नियम स्वागतयोग्य हैं, लेकिन केवल आदेश जारी करना पर्याप्त नहीं होगा। जरूरत है जमीनी स्तर पर कड़ाई से निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की। यदि कोई स्कूल अभिभावकों को किसी विशेष दुकान या ब्रांड से खरीदारी के लिए बाध्य करता है, तो उसके खिलाफ तुरंत दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही अभिभावकों को भी जागरूक और संगठित होना होगा।

अक्सर डर या बच्चों के भविष्य की चिंता में वे स्कूल प्रबंधन की हर शर्त मान लेते हैं। लेकिन जब शिक्षा 'अधिकार' से 'लक्जरी' में बदलने लगे, तब आवाज उठाना आवश्यक हो जाता है। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को ज्ञान देना है, न कि अभिभावकों को आर्थिक दबाव में धकेलना। यदि स्कूल वास्तव में 'विद्या के मंदिर' हैं, तो उन्हें व्यापारिक मानसिकता से ऊपर उठना होगा। सरकार, नियामक संस्थाओं और समाज–तीनों की जिम्मेदारी है कि शिक्षा को फिर से सुलभ, समान और मानवीय बनाया जाए। वरना वह दिन दूर नहीं जब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल संपन्न वर्ग तक सीमित होकर रह जाएगी।

क्यों टैगोर जयंती बनी 'नए बंगाल' की सांस्कृतिक पुनर्जागरण की तारीख?

[रवींद्रनाथ टैगोर-छाया में शपथः 'नए बंगाल' का प्रतीकात्मक सत्ता-विन्यास]
[टैगोर की जयंती और सत्ता की रणनीतिः पश्चिम बंगाल का बदलता परिदृश्य]

पश्चिम बंगाल की राजनीति में घटित होते क्षण अब केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि एक सुनियोजित प्रतीकात्मक ढांचे का हिस्सा बन चुके हैं, जहाँ समय और सांस्कृतिक संदर्भ राजनीतिक संदेश बनते जा रहे हैं। रवींद्रनाथ टैगोर 165वीं जयंती के साथ संभावित शपथ ग्रहण की चर्चा ने इस परिदृश्य को गहराई दी है। 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के भारी बहुमत के साथ टीएमसी की 15 वर्षीय सरकार का अंत होने के बाद यह चर्चा और भी प्रासंगिक हो गई है। यह केवल सत्ता परिवर्तन की तैयारी नहीं, बल्कि ऐसी रणनीति है जिसमें हर सार्वजनिक क्षण और आयोजन सोच-समझकर चुना गया है, ताकि राजनीति और संस्कृति का संगम स्थापित हो सके। इसी ने 'नए बंगाल' की अवधारणा को नारे से आगे बढ़ाकर एक प्रतीकात्मक अभियान का रूप दे दिया है। इस रणनीति की असली धार यही है कि समय अब केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि सक्रिय राजनीतिक साधन बन चुका है। शपथ ग्रहण जैसे संवैधानिक क्षण को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती से जोड़ने का संकेत यह स्पष्ट करता है कि यहाँ सत्ता के साथ-साथ प्रतीकों और अर्थों की पूरी संरचना नए सिरे से रची जा रही है। हर तिथि एक संदेश बन गई है और हर आयोजन एक सुविचारित विमर्श का रूप ले चुका है। यह दृष्टिकोण राजनीति को प्रशासनिक प्रक्रिया से आगे ले जाकर उसे सांस्कृतिक स्मृति और जनभावनाओं के गहरे तंतुओं से जोड़ देता है, जिससे उसका प्रभाव और अधिक सघन व बहुआयामी हो जाता है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह को रणनीतिक शिल्पकार व संगठनात्मक वास्तुकार के रूप में देखा जाता है। मोदी जी राजनीति को केवल शासन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मविश्वास के विस्तार के रूप में परिभाषित करते हैं, जबकि अमित शाह ने इस दृष्टि को बूथ स्तर तक सूक्ष्म संगठन में उतारा है। दोनों की संयुक्त रणनीति सुनिश्चित करती है कि कोई भी क्षण, तिथि या घटना अर्थहीन न रहे। प्रत्येक कदम ऐसा गढ़ा गया है कि वह तात्कालिक प्रभाव के साथ दीर्घकालिक राजनीतिक और सांस्कृतिक संदेश भी स्थापित करे। बूथ स्तर पर निर्मित रणनीति इस पूरी संरचना की सबसे सुदृढ़ नींव के रूप में उभरी है, जहाँ प्रत्येक मतदान केंद्र को केवल चुनावी इकाई नहीं, बल्कि जनसंपर्क और विचार-विस्तार के केंद्र में बदला गया। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक समान संगठनात्मक अनुशासन दिखाई दिया, जिसमें स्थानीय समस्याओं को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ा गया। बेरोजगारी, विकास में असमानता, सुरक्षा की चुनौतियाँ और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को सुनियोजित ढंग से उठाया गया। यह केवल प्रचार नहीं था, बल्कि एक निरंतर संवाद था, जिसने जनता और संगठन के बीच नई समझ को आकार दिया। इस रणनीति की एक और प्रमुख विशेषता यह है कि प्रत्येक राजनीतिक घटना को व्यापक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में स्थापित किया गया है। रवींद्रनाथ टैगोर की 'सोनार बांग्ला' की कल्पना को 'नए बंगाल' की आधुनिक दृष्टि से जोड़ने का प्रयास केवल भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि वैचारिक पुनर्सरचना का संकेत है। यहाँ संस्कृति प्रतीक भर नहीं रही, बल्कि नीति और शासन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। इसी कारण हर सार्वजनिक घोषणा, रैली और राजनीतिक संदेश को एक बड़े सांस्कृतिक आख्यान के भीतर समाहित किया जा रहा है, जिससे उसका प्रभाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर तक विस्तृत हो जाता है। चुनावी चरणों के दौरान यह रणनीति और अधिक स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई, जहाँ मतदान की प्रत्येक प्रक्रिया को अत्यंत सूक्ष्म योजना के साथ संचालित किया गया। मतदान केंद्रों पर प्रबंधन, मतदाता संपर्क और संदेश प्रसार की व्यवस्था ने एक संगठित ढांचे को आकार दिया। हर चरण को इस तरह जोड़ा गया कि वह पिछले चरण से मिलकर एक सतत राजनीतिक कथा निर्मित करे। यह कथा केवल जीत-हार तक सीमित नहीं थी, बल्कि परिवर्तन, विकास और सांस्कृतिक पुनर्स्थापना की अवधारणा पर आधारित थी। इसने चुनाव को साधारण प्रक्रिया से आगे बढ़ाकर एक व्यापक सामाजिक घटना का रूप दे दिया। इस पूरे घटनाक्रम में समय का चयन एक निर्णायक रणनीतिक तत्व के रूप में सामने आया है। 9 मई की संभावित शपथ तिथि केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि एक गहरे प्रतीकात्मक संदेश का हिस्सा प्रतीत होती है। रवींद्रनाथ टैगोर जैसी सांस्कृतिक विभूति की जयंती के साथ ऐसे आयोजन की योजना यह संकेत देती है कि राजनीति अब केवल वर्तमान तक सीमित नहीं, बल्कि स्मृति और प्रतीकात्मकता पर भी आधारित होती जा रही है। प्रत्येक क्षण को इस प्रकार चुना जा रहा है कि वह इतिहास, संस्कृति और राजनीति को एक साझा धागे में पिरो सके। 'नए बंगाल' अब महज राजनीतिक परियोजना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक पुनर्गठन की प्रक्रिया बनता जा रहा है। टैगोर की 'सोनार बांग्ला' की कल्पना को आधुनिक दृष्टि से जोड़ते हुए शिक्षा, रोजगार, सांस्कृतिक गौरव और मानवीय मूल्यों को विकास के केंद्र में रखने का प्रयास किया जा रहा है। यह सोच केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि पहचान और आत्मसम्मान को पुनः स्थापित करने पर भी केंद्रित है। इसी व्यापक ढांचे के तहत नीतियाँ और घोषणाएँ तय की जा रही हैं, जिससे परिवर्तन

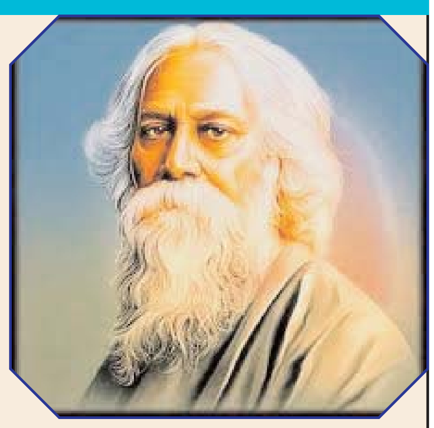

की एक स्पष्ट और समग्र दिशा सामने आती है। राजनीतिक घटनाओं के बदलते स्वरूप पर नजर डालें तो पश्चिम बंगाल का यह परिदृश्य केवल सत्ता परिवर्तन की कहानी नहीं रह जाता, बल्कि समय, प्रतीक और संस्कृति के सूक्ष्म समन्वय पर आधारित एक जटिल रणनीति के रूप में सामने आता है। प्रत्येक क्षण का चयन, प्रत्येक तिथि का निर्धारण और प्रत्येक सांस्कृतिक संदर्भ का उपयोग एक व्यापक राजनीतिक एवं वैचारिक संदेश का हिस्सा बन चुका है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह की यह संयुक्त रणनीति राजनीति को उस स्तर तक ले जाती है, जहाँ शासन केवल निर्णय नहीं, बल्कि अर्थ और प्रतीक के सृजन की प्रक्रिया भी बन जाता है। 'नए बंगाल' की यह यात्रा प्रारंभिक अवस्था में होते हुए भी यह संकेत देती है कि भविष्य की राजनीति घटनाओं से नहीं, बल्कि उनके चयनित समय और गहरे सांस्कृतिक अर्थों से आकार लेगी।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

कविता, संजीव-नी

झिझकता रहता हूं मुस्कुराने से ।
छलक ना जाए गम इसी बहाने से
यूं ही झिझकता रहता मुस्कुराने से ।

रोज हिचकियां बहुत आती होगी
मैं कर रहा हूं याद इक जमाने से।

दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं आज
जिसे परहेज न हो हमें गले लगाने से।

यहां पर मिलते हैं कद्र-दान बहुतेरे
टूटा दिल कहां जाए इस मयखाने से।

उसने कब समझा मेरे जज्बातों को
कब से लगा है वो मुझे आजमाने में।

हवा का रुख बदला हुआ है शहर में
पसीने से तर हूं अपना वजूद बचाने में।

तरक्की से परेशान है लोग दूसरों की
संजीव जमाने से लगा हूं पैर जमाने में।

संजीव ठाकुर

विकास और शांति की नई उम्मीद : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी

पश्चिम बंगाल सदैव आध्यात्म, शांति और नवचेतना की पावन धरती रहा है। यही कारण है कि भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले अनेक क्रांतिकारियों और राष्ट्रभक्तों की यह कर्मभूमि बनी। इस भूमि ने ऐसे महान विभूतियों को जन्म दिया, जिन्होंने अपने विचारों, कर्मों और त्याग से न केवल बंगाल और भारत, बल्कि पूरे विश्व को राष्ट्रप्रेम, संस्कृति और मानवता का संदेश दिया। आज़ादी के बाद पश्चिम बंगाल जिस तीव्र गति से विकास की ओर अग्रसर हो सकता था, दुर्भाग्यवश वह राजनीतिक स्वार्थ, वैचारिक हठधर्मिता और सत्ता के दुरुपयोग के कारण संभव नहीं हो पाया। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के 'सोनार बंगला' का स्वप्न आज़ादी के अठहत्तर वर्षों बाद भी पूर्ण रूप से साकार नहीं हो सका, जो अत्यंत पीड़ादायक और दुर्भाग्यपूर्ण है। पश्चिम बंगाल प्राकृतिक संसाधनों, समुद्री सीमाओं, सांस्कृतिक समृद्धि और व्यापारिक संभावनाओं से परिपूर्ण राज्य है। यदि दूरदर्शी नेतृत्व मिलता, तो यह राज्य आज गुजरात और महाराष्ट्र की तरह देश के अग्रणी विकसित राज्यों में शामिल हो सकता था। राज्य की भौगोलिक स्थिति अंतरराष्ट्रीय व्यापार और उद्योग के लिए अत्यंत अनुकूल रही है, जिससे लाखों युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता था। किंतु सत्ता में रही सरकारों ने विकास, उद्योग और रोजगार पर अपेक्षित ध्यान देने के बजाय जातीय राजनीति, तुष्टिकरण और अवैध घुसपैठ जैसे मुद्दों को बढ़ावा दिया, जिसके परिणामस्वरूप राज्य हिंसा, भय, भूख और भ्रष्टाचार की गिरफ्त में आता चला गया। जिस 'भय, भूख और भ्रष्टाचार' को मुद्दा बनाकर सादगी की प्रतीक कही जाने वाली ममता बनर्जी ने वामपंथी शासन को हटाकर सत्ता प्राप्त की थी, विडंबना यह रही कि उनके शासनकाल में भी यही समस्याएँ और अधिक गहराती चली गईं। राजनीतिक हिंसा, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण जनता में असंतोष लगातार बढ़ता गया। परिणामस्वरूप जनता ने उन्हें न केवल सत्ता से दूर किया, बल्कि उनके पारंपरिक राजनीतिक गढ़ में भी कड़ा संदेश दिया। ऐसे समय में पश्चिम बंगाल की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को व्यापक जनसमर्थन देकर नए मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी पर विश्वास जताया है। राज्य के जनमानस को उनसे विकास, सुशासन और स्थायी शांति की बड़ी उम्मीदें हैं। जनता को विश्वास है कि वे पश्चिम बंगाल को उसके गौरवशाली अतीत से जोड़ते हुए एक नए युग की शुरुआत करेंगे, जहाँ शांति, रोजगार, अध्यात्म, नवचेतना, जनजागरण और राष्ट्रप्रेम की भावना मजबूत होगी। यदि नया नेतृत्व राज्य की वास्तविक समस्याओं पर गंभीरता से कार्य करता है और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, तो वह दिन दूर नहीं जब 'सोनार बंगला' का सपना पुनः साकार होगा और पश्चिम बंगाल देश के सबसे विकसित एवं समृद्ध राज्यों में अपनी पहचान स्थापित करेगा।

अरविंद रावल

एक नाम, जिसमें पूरा जीवन सिमट जाता है — माँ

[माँः जिम्मेदारियाँ उसे मोड़ती हैं, पर तोड़ नहीं पातीं]
[आँसू लिखते हैं, मुस्कानें पढ़ती हैं — ऐसी अमर किताब है माँ]

जब जीवन पहली बार ममता की छाया में सांस लेना सीखता है, तभी माँ का अर्थ समझ आता है। मई के दूसरे रविवार पर आने वाला यह दिन माँ के निस्वार्थ प्रेम और अथाह त्याग का वह उजाला है, जिसमें हमारे अस्तित्व का सच्चा अर्थ साफ दिखाई देता है। भारत समेत अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में मई के दूसरे रविवार को मनाया जाने वाला मदर्स डे (मातृ दिवस) औपचारिक नहीं, उस मूल शक्ति का सम्मान है जो हर जीवन की नींव है। माँ वह दीप है, जो स्वयं जलकर अंधकार हरती है, और वह आसमान है, जो हर तूफान समेट लेता है। सूरज बाद में उगता है, पर माँ का स्नेह पहले ही रास्ता दिखा देता है। इसलिए यह दिन किसी रिश्ते का नहीं, उस दिव्यता का उत्सव है, जिसमें सृजन, संरक्षण और समर्पण एक साथ बसते हैं। जहाँ शब्द रुक जाते हैं और समझ की सीमाएँ छोटी पड़ जाती हैं, वहीं माँ के प्रेम की असली गहराई शुरू होती है। विज्ञान भले बहुत आगे बढ़ जाए, पर इस अनुभूति को पूरी तरह समझ नहीं पाता। गर्भ में शिशु की पहली हलचल के साथ ही माँ के तन-मन में अद्भुत बदलाव आते हैं। ऑक्सीटोसिन जैसे हार्मोन उसे पीड़ा सहने की शक्ति देते हैं, पर यह सिर्फ शरीर का विज्ञान नहीं, आत्मा का स्पंदन है। रात-रात जागकर बच्चे की देखभाल करना, अपने हिस्से का भोजन त्याग देना–ये सामान्य नहीं, प्रेम की चरम अभिव्यक्ति हैं। भारतीय परंपरा में 'माता' वही है जो सहेजती है, संरक्षण देती है और स्वयं को समर्पित कर देती है। रामायण की कौशल्या से महाभारत की कुंती तक और आज की हर माँ तक, यह त्याग और समर्पण की धारा अनवरत बहती रही है। जब प्रेम अपनी अंतिम सीमा पार कर त्याग में ढल जाता है, तब माँ की ममता इतिहास नहीं, अमर सत्य बन जाती है। 1952 के कोरिया युद्ध की वह घटना आज भी संवेदनाओं को झकझोर देती है, जब एक माँ ने अपने नवजात को ठंड से बचाने के लिए स्वयं को समर्पित कर दिया। बर्फ से जमे पुल के नीचे जन्मे उस शिशु को जीवित रखने के लिए उसने अपने शरीर की आखिरी गर्मी तक उसे ओढ़ा दी। वर्षों बाद जब उस बेटे को यह सच्चाई पता चली, तो उसकी पीड़ा हर संवेदनशील मन में गूंज उठी। यह कोई कथा नहीं, मातृत्व का वह कठोर सच है, जहाँ माँ खुद मिटकर भी जीवन बचा लेती है। इसलिए माँ की कोई तुलना संभव नहीं – वह हर उपमा से परे है। जब बाहरी जगमगाहट बढ़ती है और भीतर की गर्माहट कम होने लगती है, तब माँ का मौन संघर्ष और गहरा हो जाता है। वह घर की सीमाओं से परे, समय और समाज के हर दबाव से लड़ते हुए बच्चों का भविष्य गढ़ती है। कभी अपने सपनों और करियर को पीछे रखकर, तो कभी बीमारी में भी मुस्कान के साथ वह हर जिम्मेदारी निभाती है। कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों की सुरक्षा उसका अडिग संकल्प रहता है। वर्षों की मेहनत से उन्हें सफलता दिलाना और अपनी पीड़ा छुपाकर उनके सपने पूरे करना–यही माँ की पहचान है। वह सच में ऐसी योद्धा है, जो बिना हथियार हर लड़ाई जीत लेती है। जब भावनाएँ बाज़ार की चमक में सिमटती हैं, तब मातृ-दिवस का अर्थ धुंधला पड़ जाता है। समय के साथ यह अवसर उपहारों, कार्डों और औपचारिकताओं तक सीमित हो गया है, जबकि इसकी आत्मा कहीं गहरी है। मातृ-दिवस की पहल करने वाली अन्ना जार्विस ने इसके व्यावसायीकरण पर खेद जताया था। उनका मानना था कि माँ के प्रति सच्चा सम्मान एक दिन नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के व्यवहार में झलकता है। माँ के साथ बिताए गए सच्चे पल, उसकी बातों को ध्यान से सुनना और उसकी भावनाओं को समझना ही वास्तविक श्रद्धांजलि है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि माँ के प्रति कृतज्ञता कोई क्षणिक भावना नहीं, बल्कि जीवनभर निभाया जाने वाला भाव है। जहाँ से भविष्य की दिशा तय होती है, वहाँ माँ की छाप सबसे गहरी होती है। वह सिर्फ परिवार की धुरी नहीं, बल्कि राष्ट्र की असली नींव है। एक शिक्षित और जागरूक माँ अपने बच्चों के साथ समाज को भी सही राह दिखाती है। खेतों से शहरों तक, अनगिनत माताएँ बिना वेतन और बिना विश्राम निरंतर राष्ट्र निर्माण में लगी हैं। उनका परिश्रम भले मौन हो, पर उसका प्रभाव असीम है। जब माँ अपनी बेटी को शिक्षित करती है, तो वह एक नहीं, कई पीढ़ियों को सशक्त बना देती है। इसलिए माँ की भूमिका इतनी विशाल है कि उसे शब्दों में पूरी तरह बाँध पाना संभव नहीं। जब कृतज्ञता शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प बन जाती है, तभी मातृ-दिवस का अर्थ पूर्ण होता है। 10 मई 2026 हमें केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपने कर्तव्यों को पहचानने का अवसर देता है। माँ के लिए एक स्नेहभरा फोन, उसके साथ बिताया गया थोड़ा-सा समय या एक सच्ची मुस्कान – ये छोटे कदम उसके जीवन में गहरी खुशी भर देते हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि उसके चेहरे की मुस्कान कभी फीकी न पड़े और उसकी आँखों में आँसू

न आएँ। क्योंकि माँ की प्रसन्नता ही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है, और उसकी संतुष्टि से बड़ा कोई पुरस्कार नहीं। जब हर रिश्ता समय के साथ बदलता है, तब भी एक सत्य अडिग रहता है – माँ। उसका प्रेम वह सूक्ष्म धागा है, जो टूटे सपनों को फिर से जोड़ देता है और बिखरे जीवन को संवार देता है। 10 मई 2026 का यह मातृ-दिवस हमें याद दिलाता है कि हम उसी के अंश हैं, उसके त्याग और स्नेह का विस्तार हैं; उसके बिना हमारा अस्तित्व अधूरा है। इसलिए यह दिन केवल स्मरण का नहीं, संकल्प का है – उसके आदर्शों पर चलने का, उसके त्याग का सम्मान करने का और उसके प्रेम को जीवन का मार्ग बनाने का। जय माता दी – हर उस माँ के लिए, जो न थकती है, न हारती है, और सदैव अपने बच्चों के लिए दीपक बनकर जलती रहती है।

कृति आरके जैन

स्वामी– स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

सीआईआई अध्यक्ष ने उ प्र के मुख्यमंत्री से किया भेंट

लखनऊ- भारतीय उद्योग परिसंघ के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। भेंट के दौरान मेमानी ने माननीय मुख्यमंत्री जी को उत्तर प्रदेश के समग्र विकास के लिए उनके नेतृत्व में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए बधाई दी। उन्होंने विशेष रूप से औद्योगिक विकास, आधारभूत संरचना, निवेश प्रोत्साहन, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में हो रही प्रगति की सराहना की। इस अवसर पर सुनील मिश्र, आलोक शुक्ला और सुकांत रॉय भी उपस्थित रहे। सीआईआई ने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर राज्य के विकास की यात्रा को और मजबूत बनाने तथा उत्तर प्रदेश को देश की अग्रणी आर्थिक शक्ति बनाने के प्रयासों में अपना सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

हाइवे पर दो बाइकों की आमने सामने भिड़ंत युवक की मौत,भतीजा गंभीर

लालगंज (रायबरेली)। उन्नाव हाईवे पर सेमरी पुलिस चौकी के सामने शुक्रवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उसका 10 वर्षीय भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। लालगंज सेमरी मार्ग पर चौकी के पास की है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद गोविंदपुर फतेहपुर निवासी रामू पुत्र फूलचंद (30) को मृत घोषित कर दिया। वहीं बंसीखेड़ा निवासी शिवांश पुत्र सर्वेश कुमार (10) की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि शिवांश अपने मौसा रामू के साथ तकिया से सेमरी जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिवारीजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माता-पिता का सम्मान करने से पुत्र को मिलता है यश : देवमुरारी बापू

तालबेहट। कन्धारी कलां में चल रहे सतचंडी महायज्ञ के अंतर्गत चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन कथा व्यास देवमुरारी बापू ने भगवान श्रीकृष्ण के बाल चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त किया। कथा व्यास ने कहा कि माता-पिता का सम्मान करने से पुत्र को संसार में यश और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के नामकरण प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि गर्गाचार्य द्वारा दोनों बालकों का नामकरण किया गया था। नाम के अनुसार ही व्यक्ति के भीतर गुण विकसित होते हैं, इसलिए माता-पिता को सोच-समझकर अपने बच्चों का नाम रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण गुरु संदीपन के आश्रम में विद्या अध्ययन के लिए गए और आचार संहिता का पालन करते हुए आदर्श विद्यार्थी का परिचय दिया।

आवश्यकता है

श्री रामपाल महाविद्यालय
बहेरिया, सण्डीला, हरदोई

बी.एससी. कृषि संकाय- सहायक आचार्य कृषि अर्थशास्त्र, सस्य विज्ञान योग्यता यू.जी.सी. मानक के अनुसार।

बी.एससी. (गणित/ विज्ञान) संकाय- सहायक आचार्य की आवश्यकता है वनस्पति विज्ञान योग्यता यू.जी.सी. मानक के अनुसार।

संपर्क सूत्र-7408106605
प्रबंधक- श्री रामपाल महाविद्यालय, बहेरिया, सण्डीला, हरदोइ

डिप्टी सीएम के निर्देश पर लापरवाह डॉक्टरों पर गिरी गाज

● पांच किए गए बर्खास्त; नपे सीएमओ-डिप्टी सीएमओ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लापरवाही बरतने वाले चिकित्साधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। पांच डॉक्टरों को बर्खास्त कर दिया गया है। अंबेडकर नगर के सीएमओ डा. संजय कुमार शैवाल और डिप्टी सीएमओ डा. संजय वर्मा सहित 16 चिकित्साधिकारियों के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई है। कई चिकित्साधिकारियों की वेतन वृद्धि रोक दी गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सभी जिलों से स्वास्थ्य विभाग की स्थिति पर रिपोर्ट मंगाई। विभिन्न जिलों से मिली रिपोर्ट और शिकायतों को देखते हुए उन्होंने सख्त कदम उठाए। चिकित्सकीय कार्यों से विरत रहने एवं अपने ड्यूटी से बिना सूचना अनधिकृत रूप से लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले पांच चिकित्साधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। निजी चिकित्सालयों में अल्ट्रासाउंड जांच सेंटरों के पंजीयन और नवीनीकरण में अनियमितता, लापरवाही बरतने पर अंबेडकर नगर के मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संजय कुमार शैवाल एवं उप मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संजय वर्मा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया है। दोनों के खिलाफ मिली अन्य शिकायतों की जांच के लिए अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। हरदोई के संडीला सीएचसी के अधीक्षक डा. मनोज कुमार सिंह जिले में अल्ट्रासाउंड सेंटरों की निगरानी का काम देखते है। इस पर जिले में अनाधिकृत रूप से चलने वाले निजी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप है। ऐसे में डा. मनोज कुमार के खिलाफ विभागीय जांच शुरू कराई गई है। साथ ही हरदोई के सीएमओ डा. भावनाथ पांडेय से स्पष्टीकरण मांगा गया है। प्रयागराज के मेजा सीएचसी के अधीक्षक डॉ. शमीम अख्तर पर कोरांव में कार्यरत रहते वक्त लापरवाही बरती थी। जांच रिपोर्ट आने के बाद उन्हें अन्य स्थान पर स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। सुल्तानपुर के लंभुआ सीएचसी में कार्यरत रहते वक्त डा. अनिल कुमार सिंह पर महिला के इलाज में लापरवाही के आरोप लगे थे। डा. अनिल कुमार सिंह और डा. धर्मराज के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इसी तरह मथुरा के इमरजेंसी मेडिकल अफसर डा. देवेंद्र कुमार एवं सर्जन डॉ. विकास मिश्रा द्वारा गलत मेडिको लीगल करने के मामले में भी विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। बदायूं के राजकीय मेडिकल कॉलेज में कार्यरत अस्थिरोग विभाग के डा. रितुज अग्रवाल के खिलाफ महिला चिकित्साधिकारी से अभद्रता के मामले विभागीय कार्रवाई करने, स्टेट हेल्थ एजेंसी साचीज में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत डा. आदित्य पांडेय द्वारा अपने सहकर्मी से अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने पर विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। साथ ही डा. पांडेय की प्रतिनियुक्ति समाप्त कर मूल तैनाती स्थल सीएमओ रायबरेली के अधीन भेजने का आदेश दिया है।

इन्हें किया गया बर्खास्त

डॉ. अलकनंदा जिला चिकित्सालय, गोरखपुर,डॉ. रामजी भरद्वाज, अधीन सीएमओ कार्यालय कुशीनगर, डॉ. सौरभ सिंह, अधीन सीएमओ कर्यालय बलरामपुर, डॉ. विकलेश कुमार शर्मा, सीएचसी जगदीशपुर, अमेठी, डॉ. मोनिका वर्मा, सीएचसी दिबियापुर, औरैया।

इनकी वेतन वृद्धि रोकी और परनिंदा

दंड

जिला महिला चिकित्सालय हमीरपुर में कार्यरत डॉ. लालमणि पर आजमगढ़ में तैनाती के दौरान प्रसूताओं से वसूली एवं अभद्रता के आरोप लगे थे। इनकी तीन वेतनवृद्धि स्थायी रूप से रोकते हुए परनिंदा दंड दिया है। बलरामपुर के सीएमओ के अधीन कार्यरत डा. संतोष सिंह की चार वेतन वृद्धि रोकी, सीएमओ झांसी के अधीन कार्यरत डॉ निशा बुन्देला की दो वेतनवृद्धि रोकते हुए परनिंदा दंड, झांसी के मोठ स्थित ट्रामा सेंटर में कार्यरत डॉ पवन साहू के प्राइवेट प्रैक्टिस में संलिप्त पाए जाने पर दो वेतन वृद्धि रोकी और परनिंदा दंड का आदेश दिया है। इसी तरह बहराइच की डॉ. प्रतिभा यादव और मथुरा के डॉ. राकेश सिंह को परनिंदा दंड दिया गया है।

लालगंज में शुरू हुआ स्वगणना अभियान

● नगर पंचायत अध्यक्ष ने परिवार का डेटा किया ऑनलाइन दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। स्वगणना अभियान के तहत शुक्रवार को ब्लॉक कार्यालय और नगर पंचायत में कार्यक्रम आयोजित कर अभियान की शुरुआत की गई। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने ऑनलाइन पोर्टल पर अपनी जनगणना संबंधी जानकारी दर्ज की। लोगों से भी स्वगणना में बढ़ चढ़कर भाग लेने की अपील की गई। ब्लॉक कार्यालय में बीडीओ समेत कर्मचारियों ने स्वगणना प्रक्रिया शुरू की। बीडीओ ने कर्मचारियों से अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी अभियान से जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि सही जनगणना आंकड़े देश की योजनाओं और विकास कार्यों के लिए बेहद जरूरी हैं। उधर नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता ने अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर अभियान की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने कहा कि स्वगणना अभियान नागरिकों को जागरूक और सशक्त बनाने का बड़ा माध्यम है। डिजिटल तकनीक के इस दौर में सभी लोगों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए भागीदारी निभानी चाहिए। नगर पंचायत अध्यक्ष ने सभासदों और कर्मचारियों से वार्ड स्तर पर लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी झिझक के स्वयं अपनी गणना करे। सही जानकारी देने से सरकार को विकास योजनाएं बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने नगरवासियों से स्वगणना अभियान से जुड़कर अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक कार्यालय में वरिष्ठ लिपिक निर्मल अवस्थी, अरविंद, सीमा, हिमांशु, अनिल समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर का किया निरीक्षण

● व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित विभिन्न कार्यालयों के पटलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयों में पेयजल व्यवस्था, साफ-सफाई एवं आमजन की सुविधाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में आने वाले आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु एवं व्यवस्थित रखी जाएं। उन्होंने पेयजल की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने, परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा कार्यालयों में कार्यों के त्वरित एवं पारदर्शी निस्तारण के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न पटलों पर

अभिलेखों के रख-रखाव एवं कार्यालयीन व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुरूप आमजन को बेहतर एवं सुगम प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के समय अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार, जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंह सहित संबंधित अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहें।

विश्व कल्याण हेतु हुआ विशेष यज्ञ

नैनी, प्रयागराज। श्री 108 बाबा बैजनाथ जी के नेतृत्व में चल रहे रुद्र महायज्ञ के दसवें दिन विश्व कल्याण हेतु विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम में नरेंद्र श्रीवास्तव गौरव केसरवानी, ओम प्रकाश मिश्रा, सरदार पतिविंदर सिंह, राजेश, भाजपा नेता नरसिंह, पार्षद अनूप पासी,संजय श्रीवास्तव तथा राजेश केसरवानी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से आहुति देकर विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। पूरे वातावरण में वैदिक मंत्रों और भक्तिमय माहौल से आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता रहा।

दरगाह हज़रत हाफ़िज़ असलम मियां में जलसा दस्तार बंदी सम्पन्न

● अपने बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाएं और एक अच्छा इंसान बनाएं :-सैय्यद फुरकान मियां हाशमी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर- स्थानीय दरगाह हज़रत हाफ़िज़ असलम मियां में 6 मई से प्रारम्भ पांच दिवसीय उर्स के तीसरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें प्रातः काल क़ुरआन ख्वानी हुई तथा सांय काल मस्जिद में फतेहा का आयोजन हुआ तत्पश्चात लंगर खाना में हाफ़िज़ मोहम्मद हसन मियां के कुल शरीफ़ के अवसर पर विशेष फतेहा का आयोजन किया गया।इस अवसर पर सज्जादा नशीन सैय्यद गयास मियां सैय्यद मौलाना अज़हर मियां चिश्ती, मुतवल्ली दरगाह सैय्यद नवेद असलम हाशमी, सैय्यद फरजान मियां, सैय्यद फरहान मियां, सैय्यद फ़रमान मियां,क़ारी फय्याज चिश्ती, क़ारी इस्लाम अहमद आरफी, कारी मिसबाहुल हसन चिश्ती,सैय्यद हमीद चिश्ती हैदराबाद , चेन्नई के सज्जाद अली बावा,इमरान किरमानी, आदि मौजूद थे। इससे पूर्व इसी अवसर पर मदरसा जामिया हाफिजिया से इस वर्ष तीन बच्चों ने हाफ़िज़ा पूर्ण किया था जिन्हें पगड़ी बांध कर हाफ़िज़ की उपाधि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन मदरसा के संस्थापक कारी फय्याज चिश्ती ने किया जबकि तिलावत कारी साहब ने और नात पाक युवा शायर सलमान सीतापुरी आदि ने पेश किया हाफ़िज़ा पूर्ण करने वाले छात्र हाफ़िज़ मोहम्मद अली, हाफ़िज़ मोहम्मद फिरोज़, हाफ़िज़ मोहम्मद फरहान मुख्य हैं।जबकि सज्जादानशीन हाजी सैय्यद फुरकान वहीद

हाशमी ने कहा कि उर्स में आकर कव्वाली सुनकर चले जाने से बात नहीं बनती है हमें चाहिए कि जिस आस्ताने पर आए हैं तो वहां के जिम्मेदार से उन बुजुर्गों के बारे में जानकारी हासिल करें उनकी क्या शिक्षा थी उनका क्या संदेश हुआ करता था उसको जानें और अपनी ज़िन्दगी में उसी पर अमल करें। अन्त में सैय्यद फरमान मियां चिश्ती हाशमी ने दुआ करवाई।

डीएम ने ग्राम पंचायत भीख एवं जगतपुर का किया निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली:- जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने पंचायती राज विभाग द्वारा संचालित स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) 2.0 अन्तर्गत विकास खण्ड-जगतपुर की ग्राम पंचायत-भीख में निर्मित प्लास्टिक वेस्ट अपशिष्ट प्रबन्धन केन्द्र एवं ग्राम पंचायत-जगतपुर में निर्मित ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन केन्द्र, आर0आर0सी0, कम्पोस्ट पिट तथा फिल्टर चैम्बर का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह एवं खंड विकास अधिकारी प्रवीण कुमार त्रिपाठी को रोस्टर बनाकर प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्रित करने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए साथ ही अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग को प्लास्टिक अपशिष्ट केन्द्रों से प्राप्त प्लास्टिक को सड़क निर्माण के कार्यों में उपयोग किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।जिलाधिकारी ने पंचायत राज विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने समस्त प्लास्टिक अपशिष्ट केंद्रों पर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को तत्काल शासन को प्रस्ताव भेजने हेतु निर्देशित किया गया।

जिलाधिकारी ने गांव का भ्रमण कर साफ-सफाई, पेयजल, सड़क एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप गांवों में स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित वातावरण बनाए रखने हेतु सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान जिला सलाहकार स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राहुल सिंह, प्रेरित कटियार, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) अनिल कुमार एवं अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

18 मुठभेड़, 72 घंटे: उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्रवाई में तीन की मौत, 15 घायल

उत्तर प्रदेश में पिछले तीन दिनों में 18 मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें तीन लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हो गए। इन गोलीबारी की घटनाओं के पीछे के हालात एक जैसे थे – बदमाशों ने जवाबी गोलीबारी की और भागने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उनके पैरों में गोली लगी।गुरुवार तड़के मथुरा में दो लोगों की मौत की खबर आई, जबकि बुधवार को हरदोई में एक व्यक्ति की मौत हुई। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसी दौरान अलग-अलग मुठभेड़ों में 15 आरोपी घायल हुए। भागने की कोशिश के दौरान पुलिस के साथ हुई गोलीबारी में उनके पैरों में गोलियां लगीं।

लखनऊ में कचहरी रोड से 12 मई को नगर निगम हटाएगा कब्जा

● नगर निगम लखनऊ 12 मई को कैसरबाग कचहरी रोड से अवैध कब्जे हटाएगा। यह कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश और नाराजगी के बाद की जा रही है, जिसमें पहले पुलिस बल की कमी के कारण देरी हुई थी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम ने कैसरबाग कचहरी रोड के आसपास किए गए कब्जों को हटाने के लिए अब 12 मई की तारीख तय की है। हाईकोर्ट के आदेश पर 23 अप्रैल को अतिक्रमण को हटाया जाना था, लेकिन पुलिस बल उपलब्ध न होने के कारण नगर निगम ने कार्रवाई को टाल दिया था। अभी तक कोई कार्रवाई न होने पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए जिला प्रशासन को निर्देश दिया था कि अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम को पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराया जाए। कोर्ट ने 25 मई को कार्रवाई से जुड़ी रिपोर्ट भी तलब की है।

72 कब्जेदारों के यहां नोटिस की थी चस्पा

कचहरी रोड पर कई वकीलों ने कब्जा करके चैंबर बना रखें हैं। साथ ही कई अवैध दुकानें भी हैं। नगर निगम ने कोर्ट के आदेश पर छह अप्रैल को 72 कब्जेदारों के यहां नोटिस चस्पा की थी। कई कब्जे तो नाले के ऊपर पाए गए हैं। यहां तीस से अधिक वकीलों के चैंबर हैं। अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम ने 12 मई की तारीख तय करते हुए जिलाधिकारी, संयुक्त पुलिस आयुक्त को भी इसकी जानकारी पत्र के माध्यम से दी है।

वकील और उनकी मां की याचिका पर दिया था कोर्ट ने आदेश

अवैध कब्जों से फैल रही अराजकता के खिलाफ महिला वकील और उनकी मां ने आवाज उठाई थी। उनकी याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने 24 मार्च को कैसरबाग स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय (पुराना हाईकोर्ट परिसर) के आसपास से अवैध कब्जों को हटाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने अतिक्रमण हटाए जाने की कार्रवाई की रिपोर्ट सात अप्रैल को नगर निगम को देने को कहा था, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर कोर्ट ने नाराजगी जताई थी। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजीव भारती की पीठ ने अधिवक्ता अनुराधा सिंह, अधिवक्ता देवांशी श्रीवास्तव और देवांशी की माता अरूणिमा श्रीवास्तव की तरफ से दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया था।

शराब पीकर मचाते हैं हुड़दंग

याचियों ने उनपर अधिवक्ता सुजीत कुमार वाल्मीकि की ओर से एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज कराई गई प्राथमिकी को चुनौती दी थी। कहा था कि उनके घर के पास अधिवक्ता सुजीत कुमार वाल्मीकि के सीनियर श्रवण कुमार ने अवैध रूप से अपना चैंबर बना रखा है और शाम को कोर्ट बंद होने के बाद वहां पर शराब पीकर हुड़दंग किया जाता है।

विरोध करने पर कहासुनी करते हैं। कहा गया कि इसी के चलते उनके खिलाफ फर्जी रिपोर्ट लिखाई गई। मामले में गंभीर रुख अपनाते हुए कोर्ट ने याचियों के खिलाफ उक्त प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर किसी प्रकार की कार्रवाई करने से रोक लगाते हुए पुलिस को निर्देश दिया है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच कर रिपोर्ट दी जाए। सुनवाई के दौरान संज्ञान में आया कि पुराने हाई कोर्ट परिसर, जहां अब जिला एवं सत्र न्यायालय की अदालतें चलती हैं, उसके चारों ओर अतिक्रमण हो गया है। इसमें न केवल अधिवक्ताओं के चैंबर हैं, बल्कि पक्का निर्माण कर फोटो कापी, टाइपिंग और खानपान की दुकानें भी खुली हैं। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए नगर निगम से रिपोर्ट

मांगी थी।

इनके हैं अवैध कब्जे

सुरेंद्र नाथ रोड के दाहिनी पटरी पर नाले की स्लैब के ऊपर चकबस्त रोड की तरफ चैंबर व दुकान। अरूण कुमार साहू, ओम चैंबर (सीबी यादव), गीता रावत एवं एसपी वर्मा, यादव एडवोकेट, राजेंद्र चैंबर, रामनाथ एडवोकेट, सात नंबर चैंबर, शिव लीगल एडवोकेट, एसबी वर्मा, भारत कंप्यूटर, सर्वेश कुमार एडवोकेट, अधिवक्ता चैंबर (जनसेवा केंद्र) नारायण लीगल एसोसिएट बिस्मिल्लाह चैंबर (कोर्ट मैरिज रजिस्ट्रेशन केंद्र)। सैयद तौकीर रजा (कोर्ट मैरिज रजिस्ट्रेशन केंद्र), सोनू शर्मा, पार्थ लीगल एसोसिएटस, मनोज शुक्ला, सर्वसमाज सेवा समिति, अबरार अली चैंबर, पवन कुमार यादव, प्रकाश ला, सुचिता वर्मा, नूर फाातिमा, एम लीगल एसोसिएट, रानू चैंबर, लक्ष्मी कांत चतुर्वेदी, एसके यादव, शमीम जहां, पंकज शुक्ला, संतोष कुमार शर्मा, अरीबा ला चैंबर, रोड पर झोपड़ी में अज्ञात चैंबर, पांच अज्ञात चैंबर। निबंधन कार्यालय के आगे सुरेंद्र नाथ रोड के दाहिनी ओर नाले व सड़क पटरी पर चैंबर। अशोक इलेक्ट्रिकल, करूणेश तिवारी चैंबर, आफताब आलम चैंबर, फोटो कापी की दुकान, मेराज हुसैन, न्यू लाइट चैंबर, ओम साई श्याम लीगल चेंबर, मुजमुल, रोशनी ला चैंबर, धीरसेन चैंबर, गणेश कचौड़ी भंडार, गुप्ता लस्सी भंडार, पराग बूथ, समरेंद्र चैंबर, प्रदीप पाल, जमजम ला चैंबर, यूनीवर्सल लीगल एसोसिएट, सरस्वती लीगल एसोसिएट, राजधानी लीगल एसोसिएट, जयश्री लीगल एसोसिएट, नौ अज्ञात।

चैट जीपीटी से बनाई जा रही IPL 2026 की फर्जी टिकटें

● लखनऊ में पुलिस ने इकाना स्टेडियम के बाहर अंतरराज्यीय गैंग दबोचा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। आईपीएल 2026 का जुनून लोगों में इस कदर चढ़ गया है कि लोग असली और फर्जी टिकट का अंतर तक नहीं पहचान पा रहे हैं। लोगों की इस अनभिज्ञता का लाभ के दौरान फर्जी टिकट बेचकर दर्शकों से ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार ठगों को शुक्रवार को सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने साइबर सेल की मदद से गिरफ्तार किया। सभी आरोपित छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं। पुलिस की जांच में सामने आया कि गिरोह ने टिकट की साइज, डिजाइन और पेपर क्वालिटी तक की जानकारी चैट जीपीटी की मदद से जुटाई थी, ताकि टिकट बिल्कुल असली जैसे दिखें। इसके बाद असली टिकटों की फोटो लेकर कोरल ड्रा एप्लीकेशन के जरिए हूबहू नकली टिकट तैयार करते थे। अपर पुलिस उपायुक्त(एडीसीपी) दक्षिणी आर वसंत कुमार ने बताया कि जालौन के प्रदीप सिंह सात मई को आइपीएल मैच देखने इकाना स्टेडियम पहुंचे थे। स्टेडियम के बाहर उन्होंने दो टिकट खरीदे और एक हजार रुपये आनलाइन ट्रांसफर किए। जब वह गेट पर पहुंचे तो जांच में टिकट फर्जी निकले। इसके बाद उन्होंने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर साइबर सेल के साथ जांच शुरू की और शाम करीब साढ़े चार बजे दोदनखेड़ा चौराहे के पास चारों आरोपितों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपितों में छत्तीसगढ़ के दुर्ग के श्रीकांत बोरकर, नूतन कुमार साहू, राजेंद्र चौधरी और विश्वजीत साहू हैं। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि आर्थिक तंगी और नया आफिस खोलने के लिए पैसों की जरूरत थी। इसी कारण उन्होंने फर्जी आइपीएल टिकट बनाकर बेचने की योजना बनाई। विश्वजीत साहू 2डी और 3डी डिजाइनिंग का काम करता है और उसी ने कोरल ड्रा के जरिए टिकट डिजाइन किए। आरोपितों ने फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब से असली टिकटों की तस्वीरें डाउनलोड कर उन्हें एडिट किया। फिर चैट जीपीटी से सीखकर कोरल ड्रा की मदद से टिकट तैयार की थी।

दिल्ली में हुए फेल तो लखनऊ पहुंचे

पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपित पहले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भी फर्जी टिकट बेचने पहुंचे थे, लेकिन वहां टिकट की क्वालिटी खराब होने और बारकोड मैच नहीं करने से सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने टिकटों में सुधार किया और छह मई को लखनऊ पहुंचकर होटल में रुके। अगले दिन इकाना स्टेडियम के बाहर टिकट बेचने लगे।

यह माल हुआ बरामद

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 15 जाली आइपीएल टिकट, 14 अधछपे फर्जी टिकट, लैपटाप, चार मोबाइल फोन, पेपर कटर, 170 जीएसएम पेपर शीट, पासबुक, एटीएम कार्ड और घटना में प्रयुक्त रिट्ज कार बरामद की है। पुलिस के अनुसार आनलाइन भुगतान मुख्य रूप से श्रीकांत बोरकर के बैंक खाते में लिया जाता था।

गिरोह के अन्य ठगों के बारे पड़ताल जारी

इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि अधिकारियों का कहना है कि आइपीएल मैचों के दौरान फर्जी टिकट बेचने वाले गिरोहों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। साइबर सेल अब आरोपितों के डिजिटल नेटवर्क और अन्य राज्यों में उनकी गतिविधियों की भी जांच कर रही है।

यूपी में रोजगार का सुनहरा मौका, सब्सिडी भी दे रही सरकार

लखनऊ। यूपीनेडा के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी अजय कुमार-प्रथम ने कहा है कि प्रदेश में सौर ऊर्जा को घर-घर पहुंचाने के प्रयास जारी हैं। शुरुआत में 425 वेंडरों को जोड़ा गया था, जिसकी संख्या अब छह हजार से अधिक हो चुकी है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत यूपी में प्रतिदिन लगभग 2300 इंस्टालेशन किए जा रहे हैं। प्रदेश के 25 लाख घरों में रूफटाप सोलर संयंत्र स्थापित करने का लक्ष्य यूपी अन्य राज्यों से पहले हासिल करेगा। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी एनर्जी एक्सपो 2026 के दूसरे दिन शुक्रवार को स्वच्छ ऊर्जा, सौर परियोजनाओं, बैटरी स्टोरेज और रूफटाप सोलर के भविष्य पर व्यापक चर्चा हुई। भारत के रूफटाप सोलर भविष्य का विस्तार विषय पर उन्होंने बताया, प्रदेश व केंद्र सरकारों अब तक सौर उपभोक्ताओं को 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी दे चुकी है, इसके माध्यम से 70 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और 35 हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है। यूपी सौर ऊर्जा नीति 2022 वर्ष 2027 तक प्रभावी है, उसे आगामी वर्षों में और विस्तार दिया जा सकता है। सिगएनर्जी इंडिया के सीईओ अभिलाष बोराना ने कहा, उनकी कंपनी सोलर पावर, बैटरी स्टोरेज, एआई-संचालित एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम और ईवी चार्जिंग को एकीकृत कर स्मार्ट एवं उपयोगकर्ता-अनुकूल समाधान विकसित कर रही है। यूपीपीसीएल के निदेशक (कारपोरेट प्लानिंग) दीपक रायजादा ने कहा कि बिजली की बढ़ती मांग के दौरान ग्रिड पर दबाव बढ़ रहा है। सुझाव दिया कि दिन में उत्पादित अतिरिक्त सौर ऊर्जा को बैटरी एवं बड़े स्टोरेज सिस्टम में सुरक्षित रखने की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाने चाहिए ताकि पीक आवर्स में बिजली ग्रिड पर दबाव कम किया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

अपने-अपने क्षेत्रों में परिवारजनों एवं आमजन को अधिक से अधिक स्व-गणना के लिए प्रेरित करें

नैनी, प्रयागराज। शुक्रवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रोवर-रेंजर्स के संयुक्त तत्वावधान में हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में जनगणना-2027 एवं स्व-गणना जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को डिजिटल जनगणना एवं स्व-गणना की प्रक्रिया, उद्देश्य तथा शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता शासन द्वारा नियुक्त जनपद नोडल अधिकारी (उच्च शिक्षा) एवं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश ने की। उन्होंने शासन द्वारा संचालित जनगणना-2027 कार्यक्रम हेतु छात्र-छात्राओं को जागरूक किया तथा कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।आयोजित कार्यशाला में डिजिटल जनगणना की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। जनगणना कार्यों की प्रगति की जानकारी देते हुए छात्राओं से कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में परिवारजनों एवं आमजन को अधिक से अधिक स्व-गणना के लिए प्रेरित करें। वक्ताओं ने बताया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिक आसानी से अपनी जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रीय अभियान में सहभागी बन सकते हैं।कार्यक्रम का मंच संचालन महाविद्यालय की रोवर रेंजर्स प्रभारी डॉ. मीनाक्षी राठौर ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. आर. के. सिंह तथा सुचित्रा कृष्णमूर्ति ने छात्र-छात्राओं को स्व-गणना की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि डिजिटल जनगणना से पारदर्शिता बढ़ेगी तथा आंकड़ों का संकलन अधिक सटीक एवं प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा।कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन रोवर प्रभारी डॉ. राजेश कुमार यादव ने प्रस्तुत किया।कार्यकर्म आयोजन में डॉ अवधेश आर्य का रहा।कार्यक्रम में प्रो नीतू सिंह,प्रो सुवर्णा सरकार,प्रो सविता कुमारी, प्रो महेंद्र प्रसाद, डॉ भावना सिंह, डॉ प्रिया तिवारी, डॉ रफ़त अनीस, डॉ हेमलता, डॉ ऋषि सिंह, डॉ मंजरी मिश्रा, डॉ इफ़्तिकार अंसारी, डॉ असित जायसवाल, डॉ अमित मिश्रा आदि उपस्थित रहे।इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रोवर रेंजर्स के स्वयंसेवकों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को तथा प्राध्यापकों को अपने परिवार एवं समाज में जनगणना एवं स्व-गणना के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु प्रेरित किया गया।

दिल्ली प्री-स्कूल दुष्कर्म मामला: कोर्ट से 57 साल के केयरटेकर को मिली जमानत

दिल्ली। जनकपुरी स्थित एक प्री-स्कूल में साढ़े तीन साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म के मामले में बृहस्पतिवार को द्वारका कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद एडिशनल सेशन जज रोहित की अदालत ने 57 वर्षीय आरोपित स्कूल केयरटेकर को मामले की परिस्थितियों को देखते हुए आरोपित को जमानत दे दी। यह मामला 30 अप्रैल का है। पीड़िता की मां ने जनकपुरी थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी बच्ची स्कूल में नामांकन के दूसरे दिन स्कूल पढ़ने गई थी। स्कूल से लौटने के बाद बच्ची ने अपने गुप्तांग में दर्द होने की शिकायत की। जब बच्ची को निजी अस्पताल में ले जाया गया तो वहां को डाक्टरों ने जांच के बाद बच्ची को डीडीयू ले जाने की सलाह दी, जहां डाक्टरों ने बताया कि बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। पूछने पर बच्ची ने बताया कि स्कूल की एक महिला शिक्षिका उसे बेसमेंट में लेकर गई थी, जहां मौजूद अंकल ने उसके साथ गलत हरकत की, जिससे उसे दर्द हो रहा है। जिसके बाद वह थाने पहुंच शिकायत दी। शिकायत पर पुलिस ने बच्ची के मेडिकल के आधार पर पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। बच्ची की पहचान के बाद 1 मई को 57 वर्षीय आरोपित स्कूल के केयरटेकर को गिरफ्तार कर लिया गया था। बाद में उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। जांच के दौरान पुलिस को स्कूल परिसर में लगे अधिकांश सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में नहीं मिले। बेसमेंट जहां घटना हुई वहां जाने व उसके अंदर कोई सीसीटीवी नहीं मिला। पर बच्ची खुद पुलिस को उस स्थान पर ले गई। साथ ही आरोपित की पहचान भी की। इधर जमानत के बाद पीड़िता की मां ने स्कूल की महिला शिक्षिका पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि बच्ची के अनुसार शिक्षिका ही बच्ची को स्कूल के बेसमेंट में लेकर गई थी, जहां यह कथित वारदात हुई। पर पुलिस ने उस शिक्षिका के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। मां ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। मां का आरोप है कि शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने दो दिनों तक बच्ची से पूछताछ की इस दौरान बच्ची ने आरोपित की पहचान की। इसके बावजूद उन्हें बच्ची के साथ कई-कई घंटों तक थाने में बैठाकर रखा। उनका कहना है कि घटना से पहले ही मानसिक रूप से आहत बच्ची इस प्रक्रिया के कारण और सदमें में चली गई है। महिला द्वारा पुलिस पर लगाए आरोपों को लेकर पश्चिमी जिला उपायुक्त से संपर्क करने की कोशिश की गई पर उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

ग्रेटर नोएडा में डबल मर्डर से सनसनी! हॉस्टल में मिले 2 शव, धारदार हथियार से हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक निर्माणाधीन हॉस्टल के अंदर दो युवकों के शव मिलने की सूचना सामने आई. दोनों की बेरहमी से धारदार हथियार से हत्या की गई. शव कमरे के अंदर लहूलुहान हालत में पड़े मिले, जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे. शुरुआती जांच में मामला हत्या का माना जा रहा है। पुलिस ने शवों और घटनास्थल को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार यह घटना नॉलेज पार्क क्षेत्र स्थित सीताराम इंस्टीट्यूट के निर्माणाधीन हॉस्टल की है. बताया जा रहा है कि डायल 112 पर आज सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि हॉस्टल के एक कमरे में दो लोगों के शव एक साथ पड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची. कमरे के अंदर का दृश्य देखकर पुलिस भी सन्न रह गई. दोनों के शव खून से लथपथ पड़े थे और कमरे में कुछ संदिग्ध चीजें भी दिखाई दीं, जिन्हें कब्जे में लेकर पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच कर रही है।

ठेकेदार ने की मृतकों की पहचान

मौके पर मौजूद ठेकेदार ने दोनों मृतकों की पहचान की. मृतकों में एक की पहचान इंद्र निवासी अब्दुल्लापुर, मेरठ के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान शीशपाल निवासी इंचोली गांव, मेरठ के तौर पर हुई है. दोनों की उम्र करीब 40 से 45 वर्ष के बीच बताई जा रही है. पुलिस के अनुसार दोनों मजदूर हाल ही में यहां काम करने आए थे और निर्माणाधीन परिसर में ही रह रहे थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इंद्र और शीशपाल दो-तीन दिन पहले ही इंस्टीट्यूट में मिस्त्री का काम करने पहुंचे थे. दोनों स्थायी रूप से हॉस्टल परिसर में ही रह रहे थे. पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर इतनी कम अवधि में उनके साथ ऐसी खौफनाक वारदात कैसे हो गई।

धारदार हथियार से हमला करने की आशंका

घटनास्थल की स्थिति को देखकर पुलिस आशंका जता रही है कि दोनों की हत्या किसी धारदार हथियार से की गई है. दोनों के शवों पर गहरे चोट के निशान पाए गए हैं, जो इस बात का इशारा कर रहे हैं कि वारदात के दौरान संघर्ष भी हुआ होगा. हालांकि पुलिस अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है, जिससे मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट को भी मौके पर बुलाया गया. टीम ने कमरे से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं. फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने खून के नमूने, फिंगरप्रिंट और अन्य सबूत इकट्ठा किए हैं. पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि वारदात से जुड़े किसी भी संदिग्ध की पहचान की जा सके।

पुलिस कर रही कई एंगल से मामले की जांच

फिलहाल नॉलेज पार्क थाना पुलिस हत्या के हर पहलू से मामले की गहन जांच कर रही है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना के वक्त हॉस्टल परिसर में कौन-कौन मौजूद था और मृतकों से आखिरी बार किसने बात की थी. इसके अलावा पुलिस मृतकों के मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और उनके परिचितों से जानकारी भी जुटा रही है। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी डॉ. प्रवीण रंजन ने बताया कि पुलिस आसपास काम करने वाले अन्य मजदूरों और कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है. कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. फिलहाल पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

इलाके में दहशत, पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा

डबल मर्डर की घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है. निर्माणाधीन हॉस्टल और आसपास के क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. इस पूरी घटना का खुलासा करने के लिए पुलिस ने दो टीमों का गठन किया है. डीसीपी ग्रेटर नोएडा का कहना है कि सीसीटीवी और अन्य फुटेज के माध्यम से संदिग्धों की पहचान की जा रही है. उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया है. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर इस पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

रिश्वत केस में जमानत मिलने के बाद श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व CEO की मौत

● विमान खरीद घोटाले का था मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ कपिला चंद्रसेना संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस के अनुसार उनकी मौत फांसी लगने से हुई है। यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब कुछ दिन पहले ही उन्हें विमान खरीद घोटाले और रिश्वत मामले में जमानत मिली थी। चंद्रसेना मार्च में गिरफ्तार किए गए थे और उन पर राष्ट्रीय एयरलाइन के लिए विमान खरीद में कमीशन लेने का आरोप था। मामले ने उस समय और सनसनी फैला दी थी, जब अभियोजन पक्ष ने अदालत में दावा किया कि चंद्रसेना ने स्वीकार किया था कि उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति महिंदा राजपक्ष को 2015 में तीन बार में कुल छह करोड़ श्रीलंकाई रुपये की रिश्वत दी थी।

कहां पहुंचाई गई थी रकम?

उनके मुताबिक यह रकम राजपक्ष के दक्षिणी श्रीलंका स्थित घर पर पहुंचाई गई थी। हालांकि बाद में चंद्रसेना के वकीलों ने अदालत में कहा कि यह बयान दबाव में लिया गया था और उन्होंने इस संबंध में शपथपत्र भी दायर किया था।

चीन की पटाखा फैक्ट्री धमाके से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 37, एक अभी भी लापता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। चीन के प्रांत के लियुआंग शहर में सोमवार दोपहर पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में मरने वालों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है, जबकि एक व्यक्ति अभी भी लापता है। घटनास्थल पर तलाशी और बचाव अभियान लगभग पूरा हो चुका है। यह हादसा हुआशेंग फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरिंग एंड डिस्प्ले कंपनी के प्लांट में हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना में अब तक 37 लोगों की मौत हो चुकी है। 51 लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है।

घायलों में से पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है, हालांकि उनके वाइटल साइन स्थिर हैं। घटना के तुरंत बाद स्थानीय अधिकारियों ने आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को सक्रिय कर दिया। एक टास्क फोर्स गठित की गई और बचाव-राहत कार्यों के लिए 1,500 से अधिक कर्मियों को मौके पर तैनात किया गया। अब तक घटनास्थल पर तलाशी और बचाव अभियान लगभग पूरा हो चुका है। पुलिस ने लापरवाही के आरोप में आठ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में इनकी लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। धमाका बारूद (गनपाउडर) के दो गोदामों के निकट हुआ था। किसी भी बड़े हादसे से बचने के लिए बचाव दलों ने आसपास के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया है। घटनास्थल के चारों ओर एक बफर जोन भी बनाया गया है।

रिश्वतखोरी मामले में नगर निगम उपायुक्त अभिषेक मिश्रा की जमानत याचिका खारिज

दिल्ली। दिल्ली में राउज एवेन्यू कोर्ट ने नगर निगम के उपायुक्त लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक कुमार मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। इससे पहले अदालत ने इस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशेष न्यायाधीश सुधांशु कौशिक ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अभिषेक मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी। लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक कुमार मिश्रा को सीबीआई ने निगम के प्रशासनिक अधिकारी देवांशु गौतम के साथ रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। इससे पहले एक अप्रैल को अदालत ने दोनों आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

प्रिंस यादव तो बड़े शातिर निकले, विराट कोहली की सलाह को उनके ही खिलाफ बनाया हथियार

● लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने आईपीएल में विराट कोहली को बिना खाता खोले आउट कर दिया। प्रिंस ने ये काम कोहली की सलाह को उनके ही खिलाफ इस्तेमाल करते हुए किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। विराट कोहली का विकेट मौजूदा समय में हर गेंदबाज का सपना है। उनकी विरोधी टीम का हर गेंदबाज चाहता है कि विराट का विकेट मिल जाए, लेकिन सभी जानते हैं कि ये आसान नहीं है। विराट अव्वल दर्जे के बल्लेबाज हैं जो गेंदबाजों पर हावी रहते हैं, लेकिन प्रिंस यादव ने विराट को उनके ही सिखाए हथियार में फंसा सभी को हैरान कर दिया। आईपीएल-2026 में गुरुवार को विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से था। इस मैच में प्रिंस ने विराट को खाता तक खोलने नहीं दिया और दूसरी ही गेंद पर आउट कर दिया। प्रिंस ने विराट का विकेट उसी ट्रिक से लिया जो कोहली ने उन्हें बताई थी। प्रिंस ने विराट को पहली गेंद आउटस्विंगर फेंकी। वहीं अगली गेंद उन्होंने इनस्विंग करा दी जिस पर विराट चकमा खा गए और बोल्ड हो गए। मैच के बाद प्रिंस ने बताया कि वह पिछले मैच के बाद विराट से बात कर रहे थे और उस समय जो उन्होंने सिखाया था वही करते हुए उनका ही विकेट ले लिए।प्रिंस ने कहा, 'पिछले मैच के बाद मैं विराट भाइया से बात कर रहा था और उन्होंने मुझसे कहा था कि अगर गेंद ऑफ स्टम्प की लाइन पर मूव कर रही है तो फिर यही लाइन डालते रहो।' लखनऊ ने अपने घर इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच में आरसीबी को नौ रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ ने 19 ओवरों में तीन विकेट खोकर 209 रन बनाए।

बारिश के कारण ये मैच 19 ओवर प्रति पारी कर दिया गया था। आरसीबी 19 ओवरों में छह विकेट खोकर 203 रन ही बना पाई। लखनऊ के लिए मिचेल मार्श ने शानदार शतक जमाया। उन्होंने 56 गेंदों पर नौ चौके और छह छक्कों की मदद से 111 रनों की पारी खेली। आरसीबी के लिए कप्तान रजत पाटीदार ने 31 गेंदों पर 61 रन बनाए।

तीन दिवसीय विशाल कार्यक्रमों के साथ 53वां सिलापथार केंद्रीय बोहाग उत्सव का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। सिलापथार राजीव गांधी खेल और सांस्कृतिक प्रकल्प सिलापथार मे आज से यानी 24,25 और 26 बोहाग 1984 शक। 8,9 और 10 मई 2026 को तीन दिवसीय विशाल कार्यक्रमों के साथ 53वां सिलापथार केंद्रीय बोहाग उत्सव का आयोजन किया गया है। सुबह सफाई कार्यकम और वृक्ष पौधे लगाने के बाद, बिहू आयोजन समिति के जो पूर्व कार्यकर्ता जो इन दिनों दुनिया से विदा ले ली इनमेसे स्वर्गीय टिपेश्वर गोगोई, मथुरा चुटिया, शशि गोगोई और हाल ही में दिवंगत हुए कृष्ण फुकन को श्रद्धांजलि दिया 10 बजे आयोजक समिति के साथ बिहू का झंडा फहराकर, स्मृति तर्पण किया गया। इस अवसर पर असम के जानेमाने गायक दिवंगत जुबीन गर्ग की प्रतिच्छवि पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया गया। 11 बजे सिलापथार आंचलिक बिहू हुचोरी दलों की हुचरी ओर बिहू नाम से मंच का उद्घाटन किया गया। दोपहर में आयोजक समिति के कार्यकारी अध्यक्ष योगेन भुयान ने अंडे फोड़ना प्रतियोगिता के जरिए बांसुरी बजाना, पेपा बजाना, ढोल बजाना, गगना बजाना, हरु बिहुवती, चेमानिया बिहुवती, और चेमानिया हुचोरी प्रतियोगिता किया गया। 25 बहाग 9 मई को असम स्तर पर झेंग बिहू, हुचोरी बिहू, बिहुवती, और बर बिहुवती प्रतियोगिता अनुष्ठित किया जाएगा । समांतर रूप में 26 मई 2026 को दोपहर 1 बजे ह मिचिंग ऐनी:टैम और मिचिंग हुचोरी बिहू प्रतियोगिता किया जाएगा। इसके बाद एक आम बैठक का आह्वान किया गया सांसद प्रदान बरुआ के अध्यक्षता में होने वाले बैठक में कई वरिष्ठ महानुभावों को आमंत्रित किया गया है। इसी अनुष्ठान में 53वां सिलापथार केंद्रीय बहाग बिहू उत्सव में आयोजित प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण किया जाएगा। बिहू में अयोजित हर प्रकार के कार्यक्रम को सफ़ल बनाने के लिए गणमाध्यम के जरिए वृहत्तर सिलापथार इलाके के हर वर्ग के लोगों से 53वा सिलापथार केंद्रीय बोहाग उत्सव आयोजक समिति के अध्यक राजीव गोगोई और उपाध्यक्ष गंगा पेगू ने आह्वान किया।

पूछताछ में ISI की बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा

● दिल्ली के मंदिर समेत औद्योगिक इकाइयों की भी की थी रेकी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार किए गए पाकिस्तान खुफिया एजेंसी आइएसआइ के एजेंट और आतंकी शहजाद भट्टी माडुयल के पकड़े गए 9 गुर्गो ने पूछताछ में कई सनसनीखेज जानकारी दी है। दिल्ली का एक बहुत ऐतिहासिक मंदिर था आइएसआइ के निशाने पर था। भट्टी के एक गुर्गे ने उस मंदिर की कुछ समय पहले रैकी की थी। उसने इस मंदिर की फोटो पाकिस्तान में मौजूद इंटरनेट मीडिया हैंडलर्स को भेजे थे।

बड़े औद्योगिक इकाइयों की भी की थी रेकी

मंदिर पर मौजूद पुलिस कर्मी और अर्धसैनिक बलों पर गोली चलाकर मंदिर को निशाना बनाना टारगेट में शामिल था। बड़े औद्योगिक इकाइयों की भी रेकी की थी। इसके अलावा दिल्ली-सोनीपत हाइवे पर मौजूद एक ढाबे पर हैंड ग्रेनेड से हमला कर भारी तबाही मचाना भी टारगेट में शामिल था। हिसार में मौजूद एक सैन्य कैंप भी आइएसआइ के निशाने पर था। उसकी भी रेकी के वीडियो पाकिस्तान हैंडलर्स को भेजे गए थे। यूपी के कुछ पुलिस थाने पर मौजूद पुलिसकर्मियों को निशाना बनाना भी टारगेट में शामिल था। बृहस्पतिवार को सेल ने पंजाब समेत कई राज्यों के 9 गुर्गो को सेल ने हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था।

पटना जा रहा विमान लखनऊ डायवर्ट मौसम खराब होने की वजह से चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर कराई लैंडिंग

लखनऊ। पटना में मौसम खराब होने के कारण वहां जा रहे एक विमान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। बुधवार रात को भी पटना में मौसम खराब होने से एक विमान की सुरक्षित लैंडिंग लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर हुई थी। इस विमान के कैप्टन पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद राजीव प्रताप रूडी थे। शुक्रवार को इंडिगो एयरलाइन का विमान 6ई 6917 दोपहर 2:45 बजे की जगह 3:08 बजे कोलकाता से पटना के लिए रवाना हुआ था।विमान खराब मौसम के कारण पटना में नहीं उतर सका। इसके बाद लखनऊ एटीसी से संपर्क कर शाम 5:28 बजे विमान को लखनऊ में उतारा गया।

असम के बराक घाटी में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ स्थापना की मांग तेज

● जनकल्याण के हित में उच्च न्यायालय से जरूरी कदम उठाने की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

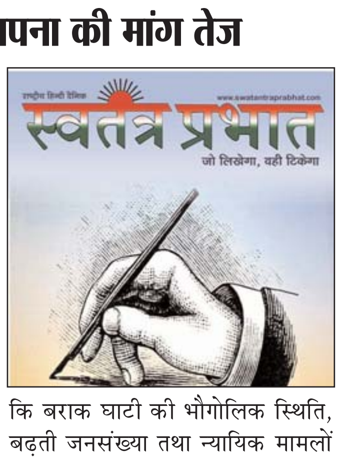

श्रीभूमि: बराक घाटी के उधारबंद कांचाकांति सेवा समिति की ओर से शुक्रवार, 8 मई को असम के बराक घाटी क्षेत्र में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की एक स्थायी पीठ स्थापित करने की मांग को लेकर गुवाहाटी उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय के नाम डाक माध्यम से एक स्मारक पत्र प्रेषित किया गया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बराक घाटी के लोगों को न्यायिक कार्यों के लिए गुवाहाटी तक लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उन्हें समय और आर्थिक दोनों प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से गरीब एवं सामान्य नागरिकों के लिए यह प्रक्रिया अत्यंत कष्टदायक साबित हो रही है। स्मारक पत्र में कहा गया है कि बराक घाटी की भौगोलिक स्थिति, बढ़ती जनसंख्या तथा न्यायिक मामलों की संख्या को देखते हुए यहां गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ की स्थापना समय की मांग बन चुकी है। इससे क्षेत्र के लोगों को शीघ्र, सुलभ एवं किफायती न्याय प्राप्त करने में सुविधा होगी।

समिति ने माननीय मुख्य न्यायाधीश महोदय से जनहित को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर सकारात्मक पहल करने तथा आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। इस अवसर पर समिति के कई सदस्य एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या, बाहर निकली आंख, कटा मिला कान... शव देख कांप गए लोग

● पूर्णिया के अमौर थाना क्षेत्र में 70 वर्षीय बुजुर्ग की बेरहमी से हत्या कर दी गई. मक्का खेत में मिला शव क्षत-विक्षत हालत में था. घटना के बाद इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है. पुलिस एफएसएल और डॉग स्क्वॉयड की मदद से जांच में जुटी है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्णिया जिले के अमौर थाना क्षेत्र से हत्या की एक ऐसी सनसनीखेज घटना सामने आई है. यहां अपराधियों ने एक 70 वर्षीय बुजुर्ग की इतनी बेरहमी से हत्या की कि शव की हालत देखकर ग्रामीणों की रूह कांप उठी. मृतक का शव मक्का के खेत के अंदर लहूलुहान हालत में पड़ा मिला. शव की एक आंख बाहर निकली हुई थी, जबकि एक कान भी कटा हुआ था. घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। मृतक की पहचान बंगरा मेहदीपुर पंचायत के कजरा टोला निवासी मो. इलियास (70 वर्ष) के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि मो. इलियास बुधवार की देर शाम अपने खेत में लगी मक्के की फसल को देखने के लिए घर से निकले थे. घर से निकलते समय उन्होंने अपनी पत्नी नसीमा खातून से चाय बनाने को कहा था और जल्द लौट आने की बात कही थी. मगर काफी देर बीत जाने के बाद भी जब वह वापस घर नहीं लौटे, तो परिजनों को चिंता होने लगी। परिवार वालों ने पहले आसपास के इलाकों में खोजबीन शुरू की. देर रात तक रिश्तेदारों और गांव के लोगों की मदद से उन्हें ढूंढने की कोशिश की गई, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया. पूरी रात परिवार के लोग परेशान होकर गांव और खेतों में उन्हें तलाशते रहे। गुरुवार की सुबह गांव के कई लोग भी खोजबीन में जुट गए. इसी दौरान घर से कुछ दूरी पर स्थित मक्का के खेत के पास से गुजर रहे ग्रामीणों को खेत के अंदर एक व्यक्ति का शव दिखाई दिया. शव पूरी तरह खून से लथपथ था. ग्रामीणों ने जब पास जाकर देखा, तो वहां का दृश्य बेहद भयावह था. शव की आंख बाहर निकली हुई थी और एक कान कटा हुआ था. यह देखकर ग्रामीण दहशत में आ गए और शोर मचाने लगे. कुछ ही देर में मौके पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए. बाद में शव की पहचान मो. इलियास के रूप में की गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया. मृतक के घर में चीख-पुकार शुरू हो गई. पत्नी नसीमा खातून बेसुध होकर रोने लगीं. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव की महिलाएं और आसपास के लोग परिजनों को संभालने में लगे रहे। ग्रामीणों ने तुरंत घटना की सूचना अमौर थाना पुलिस को दी. सूचना मिलते ही अमौर थाना प्रभारी अवधेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. कुछ ही देर बाद बायसी एसडीपीओ जितेंद्र पांडेय भी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली. पुलिस ने घटनास्थल को चारों तरफ से घेरकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया. एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य जुटाए हैं. वहीं डॉग स्क्वॉयड की मदद से भी अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है. पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है

कि जिस तरह से बुजुर्ग की हत्या की गई है, उससे साफ लगता है कि अपराधियों ने बेहद क्रूरता के साथ वारदात को अंजाम दिया है. ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी नाराजगी है. लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द हत्यारों की गिरफ्तारी कर कड़ी सजा देने की मांग की है। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है. लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि आखिर इतनी बेरहमी से हत्या क्यों की गई. वहीं पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है. हत्या के पीछे आपसी रंजिश, जमीन विवाद या अन्य किसी कारण की भी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की तफ्तीश तेज कर दी गई है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।